सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 114 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 05 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद में संशोधित गाइडलाइन दरें लागू

धमतरी। छत्तीसगढ़ में संपत्ति मूल्यांकन व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें 4 फरवरी 2026 से प्रभावशील कर दी गई हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में 20 नवंबर 2025 से नई गाइडलाइन दरें लागू की गई थीं। इसके साथ ही राज्य शासन ने यह प्रावधान भी किया था कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर गाइडलाइन दरों का पुनरीक्षण किया जा सकेगा। इसी क्रम में जिला मूल्यांकन समितियों को संशोधन प्रस्ताव तैयार कर केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजने के निर्देश दिए गए थे।

रायगढ़ के टायर प्लांट में ब्लास्ट, 8 मजदूर 80 फीसदी तक झुलसे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया स्थित मंगल कार्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान जोरदार ब्लास्ट हो गया। जिसकी चपेट में आने से 8 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में एक 9 महीने की मासूम भी शामिल है। घटना खरसिया थाना इलाके के चोड़हा की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि आसपास काम कर रहे लोग आग और गर्म गैस की चपेट में आ गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, कई मरीज 70 से 80 प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

महंगाई भत्ते पर शीर्ष अदालत ने कहा, यह लागू करने योग्य अधिकार

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से महंगाई भत्ते के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आज करीब 20 लाख कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महंगाई भत्ते का भुगतान लागू करने योग्य अधिकार है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2008 से 2019 तक की अवधि का डीए बकाया भुगतान किया जाना चाहिए। अंतरिम आदेश का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने इस बात को भी साफ किया कि कुल बकाए की कम से कम 25 फीसदी राशि 6 मार्च तक जारी कर दी जानी चाहिए।

एक साल बाद रिहा हुए लखमा, मालाओं से स्वागत

रायपुर। शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा 379 दिन बाद रायपुर सेंट्रल जेल से बाहर आ गए हैं। लखमा के जेल से बाहर निकलते ही कार्यकर्ताओं-नेताओं ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन से गले मिले। इस दौरान बेटे हरीश लखमा, विधायक विक्रम मंडावी, सावित्री मंडावी, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन, प्रमोद दुबे और संतराम नेताम मौजूद रहे। कवासी गाड़ी पर सवार होकर निकले।

'छत्तीसगढ़ का खजुराहो भोरमदेव' अब वन्यजीव पर्यटन का भी बनेगा केंद्र, शुरू होगी जंगल सफारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक नया आकर्षण जुड़ने जा रहा है। कबीरधाम जिले में स्थित ऐतिहासिक भोरमदेव अभ्यारण्य में शीघ्र ही जंगल सफारी की शुरुआत की जाएगी। वन विभाग ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस पहल से न केवल ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति आम लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी। वन विभाग द्वारा तैयार की गई योजना के तहत भोरमदेव अभ्यारण्य में लगभग 34 किलोमीटर लंबा जंगल सफारी मार्ग विकसित किया गया है। सफारी के दौरान पर्यटक गौर, चीतल, सांभर, भालू और जंगली सुअर जैसे वन्यप्राणियों को उनके प्राकृतिक आवास में नजदीक से देख सकेंगे। यह मार्ग मैकल पर्वतमाला के घने जंगलों से होकर गुजरता है, जो प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। इस जंगल सफारी की सबसे बड़ी खासियत सकरी नदी मार्ग है। सफारी के दौरान पर्यटकों को करीब 17 बार नदी पार करने का रोमांचक अनुभव मिलेगा।

पर्यटकों के लिए दोहरा आकर्षण

जंगल सफारी शुरू होने के बाद भोरमदेव आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक अब ऐतिहासिक मंदिर दर्शन के साथ-साथ वन्यजीवन का रोमांच भी एक ही यात्रा में अनुभव कर सकेंगे। इससे भोरमदेव क्षेत्र को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जल्द ही सफारी को औपचारिक रूप से पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

बीजापुर में एनकाउंटर, सुकमा में आईईडी बरामद और नक्सलियों का स्मारक ध्वस्त

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता, 31 मार्च के लक्ष्य की ओर बढ़ रही फोर्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर/सुकमा। छत्तीसगढ़ में एंटी नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। सुरक्षाबलों को अलग अलग ऑपरेशन्स में सफलता मिली है। गुरुवार को बीजापुर के पेद्दागेलूर जंगल क्षेत्र में मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया। इसी प्रकार सुकमा में सुरक्षा बलों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से लगाए गए एक शक्तिशाली आईईडी बरामद कर उसे निष्क्रीय किया है। यह कार्रवाई सुकमा के नक्सल प्रभावित गोगुंडा क्षेत्र में की गई। गोगुंडा क्षेत्र में ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के 20 फीट ऊंचे स्मारक को भी ध्वस्त कर दिया है। सुरक्षाबलों की कार्रवाई केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए 31 मार्च के लक्ष्य के अनुसार की जा रही हैं।

बीजापुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक

नक्सली मारा गया। मौके से सुरक्षाबलों ने एक एके-47 राइफल बरामद किया है। मारे गए नक्सली की पहचान डीवीसीएम उधम सिंह के रूप में हुई है। यह मुठभेड़ छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा क्षेत्र में हुई। जिले के दक्षिणी हिस्से के जंगल में सुबह 7:30 बजे यह फायरिंग शुरू हुई, जब सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम एंटी-नक्सल ऑपरेशन पर निकली थी। मुठभेड़ स्थल से एक नक्सली का शव और एक एके-47 राइफल बरामद हुई है।

दो किलो का आईईडी बरामद जवानों ने किया निष्क्रिय

सुकमा नक्सल प्रभावित गोगुंडा क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने दो किलो वजनी आईईडी बरामद किया। जिसे सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निष्क्रिय किया गया। माओवादियों ने इस आईईडी को जवानों नुकसान पहुंचाने की मंशा से लगाया था। गोगुंडा क्षेत्र में हाल ही में सुरक्षा बलों का नया कैंप स्थापित किया गया है। कैंप की स्थापना के बाद सुरक्षाबलों की सक्रियता बढ़ी है, जिससे माओवादी गतिविधियों पर दबाव पड़ा है।

स्मारक जमींदोज कर फहराया तिरंगा

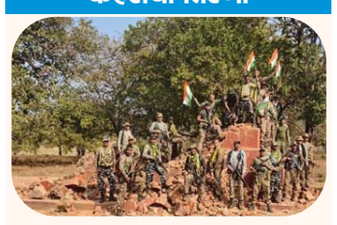

सुकमा के नक्सल प्रभावित गोगुंडा इलाके में सुरक्षाबलों ने माओवादियों के एक दशक पुराने 20 फीट ऊंचे स्मारक को ध्वस्त कर दिया। माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के सदस्य रमन्ना के नाम पर बनाए गए 20 फीट ऊंचे स्मारक को चिह्नित किया गया। सुरक्षाबलों ने योजनाबद्ध तरीके से स्मारक को विस्फोट कर ध्वस्त किया, ताकि भविष्य में इसे माओवादी प्रतीक या प्रचार स्थल के रूप में इस्तेमाल न किया जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मू का छत्तीसगढ़ दौरा बस्तर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- **वाहनों की हो रही जांच पार्किंग का रूट प्लान जारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। सात फरवरी को बस्तर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे को लेकर एक ओर जहां शासन-प्रशासन लगातार काम कर रहा है, वहीं इस दौरान शहर में जितनी भी वाहनें बाहर से आ रही हैं, उनकी लगातार चेकिंग की जा रही है।बता दें कि बस्तर पंडुम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ऐतिहासिक बस्तर प्रवास और कार्यक्रम के शुभारंभ को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

इस दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और सहूलियत के कड़े इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम को भव्य और निर्बाध बनाने के उद्देश्य से जगदलपुर पुलिस और प्रशासन ने लालबाग स्थित आयोजन स्थल के आसपास एक व्यापक पार्किंग और ट्रैफिक प्लान लागू किया है, ताकि वीआईपी मूवमेंट के साथ-साथ आम जनता को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पार्किंग गाइडलाइन

प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार पार्किंग व्यवस्था को सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। वीवीआईपी यानी राष्ट्रपति के काफिले के लिए लालबाग ग्राउंड को आरक्षित रखा गया है, जिसे पी-1 कोड दिया गया है। वहीं, मुख्य मंच पर आसीन होने वाले राजदूतों और विशिष्ट अतिथियों के वाहनों के लिए लालबाग पीटीएस ग्राउंड (वीआईपी-1) तय किया गया है। मीडिया कर्मियों और कार पास धारकों के लिए क्यूरो इंडिया स्कूल के पीछे का मैदान और सनसिटी कॉलोनी में पार्किंग (वीआईपी-2) की व्यवस्था रहेगी, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन कोआर्डिनेशन सेंटर और अमर वाटिका में खड़े किए जाएंगे।

धान खरीदी प्रभारी से मांगी गई 35 हजार की रिश्वत, तहसीलदार और पटवारी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ तहसील कार्यालय में एसीबी की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए अतिरिक्त तहसीलदार करूणा आहेर और पटवारी आयुष ध्रुव को रंगे हाथों पकड़ा गया। दोनों को एसीबी ने हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद जिला न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दरअसल, चोरभट्टी धान खरीदी प्रभारी रहे वीरेंद्र कौशिक ने बिलासपुर एसीबी में अतिरिक्त तहसीलदार और पटवारी के खिलाफ 40 हजार रुपये की रिश्वत मांगने की शिकायत की। रिश्वत मांगने के पीछे अतिरिक्त

तहसीलदार और पटवारी द्वारा धान खरीदी केंद्र में गड़बड़ी होने पर जांच को उच्च अधिकारियों तक नहीं पहुंचाने का प्रयास था। वीरेंद्र कौशिक ने मामले की शिकायत बिलासपुर एसीबी में की थी, जिसमें बुधवार को ट्रैप कर 35 हजार रुपए देकर भेजा गया। इसके बाद एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते ही अतिरिक्त तहसीलदार और पटवारी को रंगे हाथ पकड़ा।

चाइनीज मांझे पर सीएम का सख्त एक्शन, पूरे प्रदेश में बैन

लखनऊ। राजधानी के बाजारखाला में चीनी मांझे में फंसकर एक युवक की मौत के बाद प्रदेश की योगी सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पूरे राज्य में छापेमारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। पूरे राज्य में की गई कार्रवाई की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। बुधवार को बाजारखाला में पतंग की डोर ने एक युवक का गला रेत गया। इस दौरान गले की नस कट जाने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

अग्निवीर भर्ती के लिए पंजीयन शुरू

- **एक अप्रैल तक कर सकेंगे आवेदन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय थल सेना ने छत्तीसगढ़ के अविवाहित पात्र युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना में अग्निवीर सैनिक के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 1 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया थल सेना की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पूरी की जाएगी।

इस भर्ती के तहत अग्निवीर जनरल ड्यूटी, तकनीकी, ऑफिस असिस्टेंट, ट्रेडमैन, महिला सैन्य पुलिस और नियमित कैडर के साथ-साथ धर्म गुरु, नर्सिंग सहयोगी तथा हवलदार एसएसी जैसे पदों पर चयन किया जाएगा। ऑनलाइन लिखित परीक्षा का आयोजन 22 अप्रैल 2026 के बाद संभावित है। भर्ती के लिए उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 17 वर्ष 6 माह और अधिकतम 21 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता पद के अनुसार अलग-अलग होगी, जिसमें मान्यता प्राप्त बोर्ड से 8वीं, 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई या इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी पात्र होंगे। शारीरिक मानकों में ऊंचाई, वजन और सीने से संबंधित मापदंड पदानुसार तय किए गए हैं। ऑफिस असिस्टेंट पद के लिए ऑनलाइन परीक्षा के दौरान टाइपिंग टेस्ट भी लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में सरकारी खरीद पर रोक, बजट के बाद होगी खरीदी

- **स्पेशल केस में लेनी होगी वित्त विभाग की अनुमति**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित बनाए रखने के लिए शासकीय खरीदी पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 15 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में सामान्य परिस्थितियों में किसी भी प्रकार की शासकीय खरीदी नहीं की जा सकेगी। जरूरी होने पर संबंधित विभाग वित्त विभाग की पूर्व अनुमति लेकर खरीदी कर सकेंगे। वित्त विभाग ने आदेश जारी कर सभी विभागों को निर्देशित किया है।

जारी आदेश में बताया गया है कि, हर वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में यह देखने में आता है कि कई विभाग केवल बजट इस्तेमाल करने के उद्देश्य से बिना वास्तविक आवश्यकता के सामग्री और सेवाओं की खरीदी कर लेते हैं। इससे शासन की राशि अनावश्यक रूप से अवरुद्ध हो जाती है। वित्तीय अनुशासन प्रभावित होता है। इसी प्रवृत्ति पर रोक लगाने और वित्तीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

15 मार्च तक करना होगा भुगतान

वित्त विभाग के निर्देश के अनुसार, साल 2025-26 के बजट में प्रावधानित राशि से 15 फरवरी 2026 के बाद कोई भी नया क्रय आदेश जारी नहीं किया जाएगा। वहीं, 15 फरवरी 2026 तक जारी किए गए सभी वैध क्रय आदेशों का भुगतान 15 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। यदि तय समय-सीमा में भुगतान नहीं किया जाता है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

प्राइवेट स्कूल पहले की तरह ले सकेंगे परीक्षा, विरोध के बाद शिक्षा विभाग ने वापस लिया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने 3 फरवरी को 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को छोड़कर सभी कक्षाओं की स्थानीय परीक्षाएं जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से आयोजित करने नोटिफिकेशन जारी किया था। इस आदेश से प्राइवेट स्कूल संचालकों में नाराजगी थी। प्राइवेट स्कूलों ने आंदोलन करने की चेतावनी तक सरकार को दे डाली थी। इसके बाद 4 फरवरी को विभाग ने एक नया आदेश जारी किया। नए आदेश में विभाग ने अपने पुराने आदेश में संशोधन करते हुए प्राइवेट स्कूलों को डीईओ के माध्यम से एग्जाम कराने का आदेश वापस ले लिया है।

दरअसल लोक शिक्षण संचालनालय ने 3 फरवरी को आदेश जारी किया कि छत्तीसगढ़ में 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा को छोड़कर बाकी सभी कक्षाओं की स्थानीय परीक्षाएं स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित की जाएगी। आदेश के अनुसार डीईओ के माध्यम से 25 मार्च से 10 अप्रैल तक स्थानीय परीक्षाएं कराने के निर्देश जारी किए गए। यह व्यवस्था सभी स्कूलों पर भी लागू होगी। परीक्षाओं के लिए जिला स्तर पर संचालन समिति, प्रश्न पत्र निर्माण समिति और मॉडरेशन समिति का गठन किया जाएगा। वार्षिक परीक्षाएं 25 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच कराई जाएंगी, जबकि परिणाम 30 अप्रैल तक घोषित करने के निर्देश हैं।

छत्तीसगढ़ में ठंड का नया दौर शुरू होने की संभावना, रातों का पारा गिरेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम का मिज़ाज बदलने वाला है। प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में रात की ठंड बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, हालांकि इसके बाद अगले तीन दिनों में रात के तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे विशेषकर सुबह और देर रात के समय ठंड का एहसास अधिक होगा।

बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के एक-दो इलाकों में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई है, लेकिन अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ और शुष्क बना रहा। राजधानी रायपुर सहित कई शहरों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक

रिकॉर्ड किया गया है। बिलासपुर, अंबिकापुर और पेंड्रा रोड जैसे क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से करीब चार डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया गया, जिससे दिन के समय हल्की गर्मी महसूस की गई।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में रिकॉर्ड किया गया।

मुंबई-पुणे हाईवे हादसा: गैस टैंकर पलटने से घंटों रहा जाम

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक गैस टैंकर पलटने के बाद आम लोगों के साथ-साथ खास लोगों को भी परेशान कर दिया। पुणे के जाने-माने उद्योगपति सुधीर मेहता इस जाम में करीब आठ घंटे तक फंसे रहे। अंत में, वहां से निकलने और पुणे वापस लौटने के लिए उन्होंने हेलीकॉप्टर का सहार लिया। यह घटना मंगलवार शाम की है। एक्सप्रेसवे पर एक टैंकर पलट गया था जिससे अत्यधिक ज्वलनशील गैस लीक होने लगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक रोक दिया। इस वजह से यात्री 30 घंटे से भी ज्यादा समय तक सड़क पर फंसे रहे। इस घटना को लेकर पिनेकल इंडस्ट्रीज और श्वन्न मोबिलिटी के चेयरमैन सुधीर मेहता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी आपबीती साझा की। उन्होंने बताया कि आठ घंटे तक इंतजार करने के बाद बुधवार को उन्होंने हेलीकॉप्टर की मदद ली।

संपादकीय

टैरिफ में राहत

पर व्यापार समझौते में अमेरिकी पलड़ा भारी

यह सुखद ही है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाये गए भारी-भरकम पचास फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर देने की बात कही जा रही है। दलील दी जा रही थी कि भारत पर रूस से सस्ता तेल खरीदने के एवज में पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफलगाया गया था। कुछ वैश्विक व्यापार के जानकार मानते हैं कि यह व्यापार समझौते को अमेरिका के पक्ष में लाने के लिये दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा ही था। लेकिन जिसके आगे भारत ने जल्दी से घुटने नहीं टेके थे। अब कहा जा रहा है कि टैरिफ के पचास फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने से भारत ने राहत की सांस ली है। यह भारत के रत्न, आभूषण, वस्त्र और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिये सुखदकारी खबर है, जो बीते साल अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने के बाद से ही संघर्षरत रहे हैं। कहा जा रहा है कि लंबे समय से प्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सिरे चढ़ने के करीब है। आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ प्रतीत होता है। हालांकि, इस समझौते से जुड़े व्यापक विवरण का अभी सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस समझौते के तहत भारत अमेरिका से पेट्रोलियम पदार्थ, रक्षा संबंधी उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार से जुड़े उपकरण और विमानों की खरीद बढ़ाएगा। अमेरिका के नीति-नियंता दलील देते रहे हैं कि यह व्यापार समझौता उसके व्यापार घाटे को कम करने और कथित रूप से भारत को 'अनुचित लाभ' से वंचित करने की डोनाल्ड ट्रंप की मंशा के अनुरूप ही है। यह समझा जा रहा है कि कहीं न कहीं अमेरिका ने दबाव डालकर भारत को रूसी तेल की खरीद बंद करने के लिये बाध्य कर लिया है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस प्रक्रिया को पूरा होने में कुछ महीनों का समय लग सकता है। इसी तरह व्यापार बाधाओं को कम करने में भी कुछ वक्त लग सकता है।

> “ लंबे समय से प्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सिरे चढ़ने के करीब है। आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ प्रतीत होता है। हालांकि, इस समझौते से जुड़े व्यापक विवरण का अभी सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस समझौते के तहत भारत अमेरिका से पेट्रोलियम पदार्थ, रक्षा संबंधी उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार से जुड़े उपकरण और विमानों की खरीद बढ़ाएगा। अमेरिका के नीति-नियंता दलील देते रहे हैं कि यह व्यापार समझौता उसके व्यापार घाटे को कम करने और कथित रूप से भारत को 'अनुचित लाभ' से वंचित करने की डोनाल्ड ट्रंप की मंशा के अनुरूप ही है।

वैसे रूस से तेल खरीदने पर रोक के संकेत तब मिलने लगे थे, जब भारतीय पेट्रोलियम रिफाइनरियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम करनी शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी ओर रूस से होने वाली कम आपूर्ति से उपजी परिस्थितियों के मुकाबले के लिये भारत ने पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात बढ़ा दिया था। वैसे इस बाबत चिंता की बात तब उत्पन्न हुई थी जब अमेरिकी कृषि सचिव ब्रूक रोलिंस ने कहा था 'व्यापार समझौता अमेरिकी कृषि निर्यात को बढ़ावा देगा, कीमतों में वृद्धि करेगा और अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में नकदी का प्रवाह बढ़ाएगा।' ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मोदी सरकार डेयरी और कृषि क्षेत्रों में अमेरिकी उत्पादों के लिये भारत के बाजारों को खोलते हुए घरेलू किसानों के हितों की रक्षा कर पाएगी? यह जानते हुए भी कि भारत में कृषि व किसान राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है। वैसे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के लगातार दबाव व 'या तो मेरी बात मानो या फिर रास्ता छोड़ दो' वाले रवैये ने नई दिल्ली को कई रियायतें देने और समझौते करने के लिये मजबूर कर दिया है। निस्संदेह,यह एक हकीकत है कि व्यापार के मोर्चे पर अमेरिका का पलड़ा भारी बना हुआ है। जिससे भारत की सौदेबाजी करने की क्षमता और रणनीतिक स्वायत्तता बनाये रखने की क्षमता को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धियों मसलन इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश आदि पर अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाए जा रहे हैं। हालांकि, चिंता इस बात को लेकर भी जतायी जा रही है कि भारत ने ट्रंप को मात देने का एक अवसर खोया भी है। वैसे यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। खासकर ट्रंप के राष्ट्रपति काल में ये नीतियां ज्यादा आक्रामक रूप में सामने आई हैं। जिसका खामियाज उसके मित्र देश भी भुगत रहे हैं।

विकसित भारत के अग्रदूतों के भविष्य को संवारना

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिकल्पित यह पहल, जो 2018 में एक एकल वार्षिक संवाद के रूप में प्रारंभ हुई थी, आज स्वाभाविक रूप से एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब यह एक राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता-पिता व शिक्षक इस साझा उत्तरदायित्व के सक्रिय सहभागी हैं।

इस वर्ष की सहभागिता का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ परीक्षा पे चर्चा, पूर्व गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व सहभागिता सक्षम वातावरण निर्मित करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके।

प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद सहानुभूति, व्यवहारिकता और प्रेरक नेतृत्व का विशिष्ट समन्वय प्रस्तुत करता है। सरलता, अनुशासन, आशावाद और मानव क्षमता में गहरी आस्था से परिपूर्ण उनके व्यक्तित्व ने लाखों बच्चों के मन पर गहरा और स्थायी प्रभाव अंकित किया है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों से मार्गदर्शक, मेंटर और शुभचिंतक के रूप में जुड़ने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशिष्ट बनाती है। उनकी संवादात्मक, कथात्मक और आत्मीय शैली विद्यार्थियों को यह अनुभव कराती है कि उनकी बातें सुनी और समझी जा रही हैं। वे गर्मजोशी, हास्य और प्रामाणिकता के साथ संवाद करते हैं तथा अक्सर अपने जीवन के अनुभवों से उदाहरण लेकर धैर्य,

एकाग्रता और आत्मबल जैसे व्यापक जीवन मूल्यों को सरलता से प्रस्तुत करते हैं। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबावों को सहज बनाते हुए आश्वस्त और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहाँ विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचान

इस प्रयास के केंद्र में एक सरल किंतु अत्यंत सशक्त सत्य निहित है: हर बच्चा विशिष्ट है। प्रत्येक बच्चा अलग तरह से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएँ समेटे होता है, जिन्हें अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी वास्तविक सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। कोई बच्चा गणित में उत्कृष्टता दिखा सकता है, कोई कलात्मक कल्पना में निपुण हो सकता है, और कोई करुणा के साथ संवेदनशील चिकित्सक बनने की क्षमता रखता है। ये भिन्नताएँ किसी तरह की कमी नहीं हैं; बल्कि यही विविध, सशक्त और नवोन्मेषी समाज की आधारशिला हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दर्शन का प्रतिबिंब

यह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल में निहित है। इसके ढाँचे के अंतर्गत शिक्षण-पद्धतियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा है, जहाँ शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षण पर इसका जोर इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जिज्ञासा और आनंद ही आजीवन सीखने की सबसे सशक्त आधारशिलाएँ हैं।

शिक्षा के आरंभिक वर्षों में मातृभाषा में शिक्षा देने का उद्देश्य बच्चों को अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदान करना है, जबकि बहुभाषिकता पर दिया गया बल ऐसी पीढ़ी के निर्माण की परिकल्पना करता है जो अपनी सांस्कृतिक और भाषायी जड़ों के प्रति विश्वास रखती हो तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो।

मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च-दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का ही आकलन नहीं करते, बल्कि उसके सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी समग्र रूप से दर्ज करते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि तंदुरुस्ती सीखने का अभिन्न अंग है, प्रत्येक सीबीएसई विद्यालय में सामाजिक-भावनात्मक परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। अंत में, हमारे समक्ष उत्तरदायित्व स्पष्ट है—बच्चों को किसी एक साँचे में ढलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को पहचानना, उनका समर्थन करना और उन्हें सुदृढ़ बनाना चाहिए।

समग्र रूप से सीखना - प्रमुख केंद्रबिंदु

आज की शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई है। यह भली-भाँति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती। चिंता, भय या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएँ इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनेस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं। ये अभ्यास बच्चों को अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं और एकाग्रता, शांति और लचीलेपन का निर्माण करते हैं। परीक्षा की तैयारी में सहायक होने के अलावा, ये अभ्यास जीवन कौशल विकसित करते हैं जो कक्षा के परे भी काम आते हैं—ताकि शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रकृति के साथ संतुलन और आंतरिक जागरूकता को भी सुदृढ़ बनाया जा सके।

बच्चे - प्रगति के अग्रदूत

आज के बच्चे विकसित भारत 2047 के अग्रदूत हैं। जो बच्चे निर्भय होकर सीखते हैं, आत्मविश्वास के साथ नवाचार करते हैं, और अपनी सांस्कृतिक जड़ों में स्थिर रहते हुए दुनिया से जुड़ते हैं, वे ही वर्तमान में विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे बच्चों का समर्थन एक ऐसी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जाना चाहिए, जो मन, हृदय और हाथ—तीनों के विकास पर केंद्रित हो; एक ऐसी प्रणाली जो प्रतिभा का उत्सव मनाए, उद्देश्य को पोषित करे, और उन्हें सार्थक जीवन के लिए तैयार करे। यही है परीक्षा पे चर्चा की भावना: बच्चों को भय से मुक्त करना और उन्हें भारत@2047 के लिए आत्मविश्वासी नागरिक के रूप में तैयार करना।

(लेखक भारत सरकार में शिक्षा मंत्री हैं)

शिक्षा के जरिये रोजगार सृजन की दिशा में कदम

डॉ. शशांक द्विवेदी

बजट 2026-27 आने वाले भारत की युवा-आधारित आर्थिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इसमें नयी पीढ़ी की शिक्षा, रोजगार, तकनीकी कौशल और रचनात्मक आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट पर ज़ोर है।

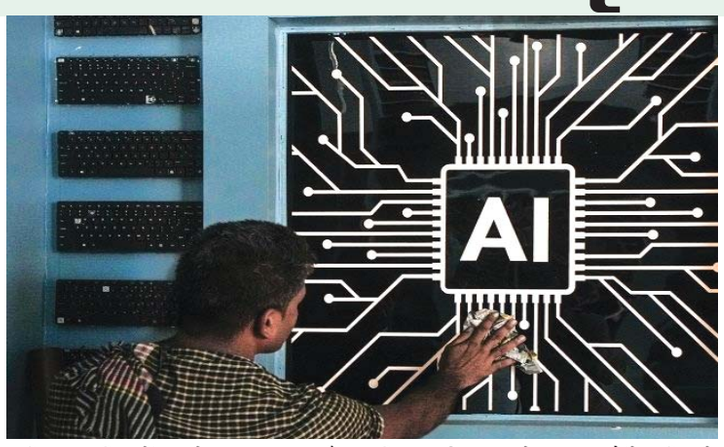

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को सरकार 'नेक्स्ट जेनरेशन बजट' कह रही है। यह दावा केवल एक राजनीतिक नारा नहीं लगता, बल्कि बजट के प्रावधानों पर नज़र डालने से स्पष्ट होता है कि इसमें जेनरेशन जेड- यानी आज के युवा वर्ग- की शिक्षा, रोजगार, तकनीकी कौशल और रचनात्मक आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। आज का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं है; वह स्किल-ड्रिवन, डिजिटल-नेटिव और क्रिएटिव माइंडसेट के साथ आगे बढ़ना चाहता है। बजट 2026-27 इसी बदले हुए युवा चरित्र को पहचानता है।

इस बजट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट पर ज़ोर। सरकार ने शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए एक समग्र रणनीति अपनाई है। कौशल-आधारित शिक्षा, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों को बढ़ावा और यूनिवर्सिटी टाउनशिप की अवधारणा इस दिशा में अहम कदम हैं।

महत्वपूर्ण है कि केवल डिग्रियां युवाओं को रोजगार नहीं दिला सकतीं; उन्हें व्यावहारिक कौशल और उद्योग-अनुकूल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। यदि यह योजना ज़मीनी स्तर पर सही ढंग से लागू होती है तो यह भारत की युवा बेरोज़गारी की समस्या को कम करने में निर्णायक साबित हो सकती है। विदेश में पढ़ाई-लिखाई करने वाले छात्रों तथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा का अनुभव चाहने वालों को राहत देने के लिए, सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत टीसीएस दर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। इससे विद्यार्थी विदेश शिक्षा-अनुभव को अधिक किफ़ायती रूप से चुन सकेंगे, जिससे तकनीकी तथा ग्लोबल मौके और एक्सपोज़र मिलेंगे।

बजट में ऑरेंज इकोनॉमी यानी एनिमेशन, गेमिंग, डिज़ाइन, विज़ुअल इफेक्ट्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता देना जेन जेड के लिए एक बड़ा संदेश है। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी लैब्स स्थापित करने का प्रस्ताव इस बात का संकेत है कि सरकार अब यूट्यूब, गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल स्टोरीटेलिंग को शौक नहीं, बल्कि कैरियर के रूप में देख रही है। इस कदम का व्यापक लक्ष्य यह है कि भारत 2030 तक लगभग 20 लाख एवीजीसी सेक्टर-विशेषज्ञों की आवश्यकता को पूरा करे, और उसे विश्व-स्तर के डिजिटल क्रिएटिव हब में बदल दे। यह कदम भारत के लाखों क्रिएटिव युवाओं को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग पर दिया गया ज़ोर इस बजट को भविष्य-उन्मुख बनाता है। आज की नौकरियां डेटा, एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल सिस्टम्स से जुड़ी हैं। बजट यह मानता है कि अगर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहना है, तो युवाओं को इन्हीं क्षेत्रों में दक्ष बनाना होगा। जेन जेड केवल नौकरी चाहने वाली पीढ़ी नहीं है, बल्कि जॉब क्रिएटर बनने की आकांक्षा भी रखती है। एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग, पूंजीगत व्यय में वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से नए अवसर पैदा होंगे।

इससे युवा उद्यमियों को जोखिम लेने और नवाचार करने का भरोसा मिलेगा। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (टीसीएस)में कमी यह दर्शाती है कि सरकार वैश्विक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोज़र को भी महत्व दे रही है। यह फैसला मध्यम वर्गीय युवाओं के लिए विशेष रूप से राहतकारी है। भारत का युवा वर्ग पहले से ही स्टार्टअप और नवोन्मेष (इनोवेशन) की ओर अग्रसर है —यह बजट इन्हें संसाधन-समर्थक वातावरण देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। बजट ने खेलो इंडिया मिशन तथा खेल-इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार से युवाओं के खेल-प्रतिभा विकास को बढ़ावा दिया है। साथ ही पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्र की डिजिटलाइजेशन तथा पर्यटन-संबंधित कौशल विकास योजनाएं भी युवा रोजगार सृजन को आगे बढ़ाती हैं।

कुल मिलाकर, बजट 2026-27 केवल आज की जरूरतों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि आने वाले भारत की युवा-आधारित आर्थिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट जेन जेड को बोझ नहीं, बल्कि भागीदार मानता है। हालांकि, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घोषित योजनाएं काग़ज़ से निकलकर ज़मीन तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचती हैं। यदि क्रियान्वयन मजबूत रहा तो यह बजट सचमुच भारत की अगली पीढ़ी को आत्मनिर्भर, कुशल और ग्लोबल नागरिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है। यह बजट शिक्षा से रोजगार तक का एकीकृत मार्ग प्रदान करता है। डिजिटल और तकनीकी कौशल को मुख्यधारा में लाता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था और ऑरेंज इकोनॉमी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाता है। वैश्विक शिक्षा-अनुभव और रोजगार-सृजन के अवसरों को बढ़ाता है।

यह बजट केवल आज के युवाओं के लिए नहीं बल्कि अगले पांच दशक के युवाओं के लिए एक मजबूत आर्थिक ढांचा तैयार कर सकता है। साथ ही भारत को एक ग्लोबल तकनीकी-रचनात्मक शक्ति बनाने की दिशा में भी एक निर्णायक कदम प्रतीत होता है।

-लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

विकसित भारत 2047: भारतीय शहरी पुनर्जागरण का स्वर्णिम काल

तोखन साहू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत आज अपनी नियति के उस स्वर्णिम सोपान पर है, जहाँ 'अमृत काल' के संकल्प अब 'सिद्धि' के महायज्ञ में रूपांतरित हो रहे हैं। 1 फरवरी को प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 मात्र आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि 'विकसित भारत @2047' के महान स्वप्न को धरातल पर उतारने वाला एक युगांतरकारी नीतिगत दस्तावेज है। कर्तव्य भवन की पावन ऊर्जा से रचित यह बजट—गति, समावेशिता और निरंतरता के तीन अभेद्य स्तंभों पर टिका है, जो एक आत्मनिर्भर और समर्थ भारत का जयघोष करता है।

समृद्धि के केंद्र में शहरी भारत : विकास का नया ऊर्जा-पुंज

आज हमारे शहर केवल आबादी के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के 'ग्रोथ इंजन' हैं। बजट में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के लिए 85,522 करोड़ का ऐतिहासिक आवंटन—जो पिछले वर्ष की तुलना में 49.5% की भारी वृद्धि है—सरकार के इस अटल विश्वास का प्रमाण है कि भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने का मार्ग हमारे आधुनिक शहरों से ही प्रशस्त होगा। जीडीपी में 60% से अधिक का योगदान देने वाला शहरी भारत अब नवाचार और रोजगार का वैश्विक केंद्र बनेगा।

आवास से आत्मसम्मान अंत्योदय का संकल्प

छत भी, सम्मान भी:- प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु 18,625 करोड़ का भारी आवंटन केवल 'सबके लिए घर' का लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह करोड़ों परिवारों को सुरक्षा, गरिमा और सामाजिक न्याय की मुख्यधारा से जोड़ने का महा-अनुष्ठान है। अंतिम व्यक्ति का उत्थान:- 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार करते हुए पीएम स्वनिधि योजना के बजट में 57% की वृद्धि (900 करोड़) हमारे उन लघु शहरी उद्यमियों के प्रति राष्ट्र का कृतज्ञ नमन है, जो अपनी मेहनत से शहरों को गतिमान रखते हैं।

विकेंद्रीकरण:-महानगरों से परे नए 'आर्थिक तीर्थों' का उदय

यह बजट क्षेत्रीय असंतुलन को समाप्त कर भारत के कण-कण को विकास से जोड़ने का संकल्प है। 'शहरी आर्थिक क्षेत्र' की अभिनव परिकल्पना के तहत Tier-2, Tier-3 शहरों और तीर्थ नगरों को 5,000 करोड़ तक की सहायता देना एक क्रांतिकारी कदम है। यह महानगरों के दबाव को कम कर छोटे शहरों को संभावनाओं के नए क्षितिज प्रदान करेगा। साथ ही, 10,000 करोड़ का 'अर्बन चैलेंज फंड' शहरों के बीच नवाचार और श्रेष्ठ नियोजन की नई प्रतिस्पर्धा को जन्म देगा।

आत्मनिर्भरता और भविष्योन्मुखी अवसंरचना

पूंजीगत व्यय को 12.2 लाख करोड़ की नई ऊँचाई पर ले जाना और 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण भारत की रफ़्तार को अजेय बनाने का संकल्प है। वहीं, नगर निकायों को म्यूनिसिपल बॉन्ड के माध्यम से आर्थिक रूप से 'आत्मनिर्भर' बनाने का आह्वान (1,000 करोड़ से अधिक के इश्यू पर ?100 करोड़ की सहायता) सुशासन की नई परिभाषा है।

अमृत योजना हेतु 8,000 करोड़ और सेंट्रल विस्टा हेतु 4,000 करोड़ का प्रावधान राष्ट्रीय गौरव और सार्वजनिक सुविधाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राजकोषीय शुचिता और ईज ऑफ लिविंग

सरकार ने विकास की इस विराट महत्वाकांक्षा के साथ-साथ 4.3% के राजकोषीय घाटे का अनुशासित लक्ष्य और 2030-31 तक कर्ज-जीडीपी अनुपात को 50% तक लाने का रोडमैप प्रस्तुत कर 'जिम्मेदार शासन' की मिसाल पेश की है। डिजिटल सेवाओं के विस्तार और संपत्ति कर के सरलीकरण से नागरिकों का जीवन सुगम होगा और व्यवसाय की सुगमता को नई उड़ान मिलेगी।

उपसंहार

बजट 2026-27 केवल भविष्य की योजना नहीं, बल्कि एक लचीले, समृद्ध और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत का संकल्प-पत्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के साथ, भारत आज अडिग आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है—जहाँ विकास सर्वस्पर्शी है, प्रगति स्थायी है और प्रत्येक भारतीय शहर 'विकसित भारत' के निर्माण का एक तेजस्वी केंद्र है।

(राज्य मंत्री, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार)

ट्रंप का भविष्य ट्रंप

ट्रंप की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी और नए अवसर ढूंढने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, देश नए विकल्प की तलाश करेंगे।

भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनने की खबर आते ही अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईयू को आगाह कि वह अपने खिलाफ युद्ध के लिए धन मुहैया कराने जा रहा है। कहा कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसे व्यापारिक सहारा देता है। यूरोप रूस के हमले की आशंका से पीड़ित है, लेकिन अब वह भारत को लाभ पहुंचाने जा रहा है। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चीन से व्यापार समझौता किया, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भड़क गए।

अपने चिर-परिचित अंदाज में कार्नी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। मगर अब कार्नी ने मार्च में भारत आने का इरादा जता दिया है। इसी बीच ट्रंप दक्षिण कोरिया पर भी खफा हो गए हैं और उस पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने इस महीने के पहले हफ्ते में चीन की यात्रा की थी। उनके बाद स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्लेलिन भी चीन गए और अब अगले मंगलवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर बीजिंग पहुंच रहे हैं। इस यात्रा से ठीक पहले ब्रिटिश सरकार ने लंदन में चीन के प्रस्तावित भव्य दूतावास के निर्माण को हरी झंडी दे दी, जिसे कई साल से रोक रखा गया था। उपरोक्त तमाम घटनाओं में एक समान तत्व की तलाश की जा सकती है। खुद ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी ढूंढने और नए अवसर तलाशने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, विभिन्न देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। लेकिन ऐसी हर घटना से ट्रंप की महत्त्वाकांक्षा पर आघात पहुंचता है। उससे व्यग्र होकर ट्रंप उग्र प्रतिक्रिया जताते हैं। लेकिन उससे वे विपरीत संदेश दुनिया को दे रहे हैं। हर विवेकशील देश इससे सोचने को मजबूर हो रहा है कि जब हर डील ट्रंप का भविष्य ट्रंप के मूड से जुड़ा है, तो आखिर उसके लिए कितनी हांव-पांव मारी जाए?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

कोलकाता पुस्तक मेला में रचनाकारों ने दी भागीदारी

भिलाई। आंतर्जातिक पुस्तक मेला, कोलकाता में भिलाई के साहित्यकारों की कृतियों का विमोचन किया गया। ज्ञानदा प्रकाशन के आमंत्रण पर भिलाई से पहुंचे कवि, लेखक पल्लव चटर्जी, गोबिंद पाल, प्रकाश चन्द्र मण्डल व मध्य वलय के सम्पादक दुलाल समाद्दार और बेबी हालदार का सम्मान किया गया। श्रीमती हालदार के हाथों से पल्लव चटर्जी की बंग्ला कविता 'समयेर अनुभूति', प्रकाश चंद्र मंडल की 'एखोनो अनेकटा पथ बाकि' तथा गोबिंद पाल की 'निर्वाचित श्रेष्ठ बंगला कविता पुस्तक का विमोचन हुआ। पल्लव चटर्जी, दीपाली दासगुप्ता और दुलाल समाद्दार की पुस्तकें प्रदर्शित की गईं।

नारायणपुर मैराथन से लौटी जसोदा का सम्मान

दुर्ग। अधिवक्ता जसोदा सिक्का ने नारायणपुर मैराथन में हिस्सा लेकर पांचवा स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें 10 हजार रुपए देकर सम्मानित किया। जसोदा का संघ के पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल, नरेंद्र सोनी, फारुख, मनोज मून, अमोद पाठक, आलोक सारस्वत, प्रभात पांडेय, मनदीप सिंह, जया श्रीवास्तव, नंदनी चंद्रवंशी, पूनम मांझी, अनामिका, सारिका, अशोक यादव, हर्ष दुबे, निशा सिंह, आंचल, काजल मिश्रा ने अभिनंदन किया।

सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या 29 प्रतिशत कम

भिलाई। जिले में जनवरी माह में पिछले साल के पहले महीने की तुलना में दुर्घटना में मृत्यु के आंकड़ों में कमी दर्ज की है। इसके लिए यातायात पुलिस ने चालानी कार्रवाई बढ़ने की वजह बताया है। जनवरी 2025 के मुकाबले करीब 29 फीसदी एक्सीडेंट में मौतें कम हुई है। एएसपी ट्रैफिक ऋचा मिश्रा ने बताया, आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में जिले में कुल 5,364 चालानी कार्रवाई की गईं, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कुल 47 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई। वहीं इस वर्ष प्रवर्तन को और अधिक प्रभावी बनाते हुए कुल 8,662 चालानी कार्रवाइयां की गईं, जिसके परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु संख्या घटकर 35 रह गई। यातायात सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा वर्ष 2026 में यातायात नियमों के पालन के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है।

राजहरा माइंस अस्पताल में 20वां एक दिवसीय व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में 02 फरवरी 2026 को 20वां एक दिवसीय नि:शुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

इस पहल का उद्देश्य चिकित्सकीय परामर्श के साथ, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को सुनिश्चित करना है। एक दिवसीय शिविर में 590 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए, विभिन्न नैदानिक जांच और उपचार के साथ 20 इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन तथा 05 प्लास्टर लगाए गए, जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर ने टीम का नेतृत्व किया। शिविर में डॉ. सौरभ मुखर्जी (मेडिसिन), डॉ. पी. मर्सी (चर्म रोग), डॉ. नीना गुहा (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. जयिता सरकार (पेन मैनेजमेंट क्लिनिक), डॉ. इमैनुएल मैसी (अस्थि रोग), डॉ. दीपाली गुप्ता (नेत्र रोग), डॉ. वनिता शर्मा (दंत रोग), डॉ. धीरज शर्मा (जनरल सर्जरी), डॉ. प्रियंका शिलिंग शिवप्पा (कान, नाक एवं गला रोग), डॉ. सुभास्मिता पट्टनायक (बाल रोग), जूनियर मैनेजर जितेंद्र अजमेरा एवं सुनीता पांडे, नर्सिंग स्टाफ सुरजा जयप्रसाद, जूनियर एमटी (फिजियोथेरेपी) विकास पांडे, डीएनबी डॉ. सरिपुत्त अम्बाडे (अस्थि रोग), डीएनबी डॉ. साध्वी (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डीएनबी डॉ. कल्याणी (नेत्र रोग), तथा जूनियर एमटी कलोल मैती सहित सेक्टर 9 अस्पताल के सहायक अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

बीएसपी में क्रूड स्टील का रिकार्ड मासिक उत्पादन, एसएमएस, बीआरएम व प्लेटमिल का श्रेष्ठ प्रदर्शन

ब्लूम्स उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो परिचालन योजना के लगभग 125 प्रतिशत तक रहा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने इस्पात निर्माण के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए जनवरी माह में उत्पादन के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। संयंत्र की प्रमुख इकाइयों- स्टील मेल्टिंग शॉप-3, बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) तथा मर्चेंट मिल ने जनवरी 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए बीएसपी की सामूहिक क्षमता और तकनीकी दक्षता को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। जहां एसएमएस-3 ने सेल के किसी भी स्टील मेल्टिंग शॉप द्वारा अब तक का सर्वाधिक मासिक क्रूड स्टील उत्पादन दर्ज कर इतिहास रचा, वहीं बीआरएम ने जनवरी माह का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किया तथा मर्चेंट मिल ने उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए।

इन उपलब्धियों के उपलक्ष्य में दिनांक 03 फरवरी, 2026 को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एके चक्रवर्ती,

कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) तुषार कांत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधित विभागों के शॉप फ्लोर का भ्रमण कर एसएमएस-3, बीआरएम एवं मर्चेंट मिल की टीमों को इस असाधारण प्रदर्शन के लिए बधाई दी। श्री महापात्र ने टीमों की प्रतिबद्धता, समन्वित प्रयास एवं तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर उपलब्धियां संयंत्र की सशक्त सहयोगात्मक कार्य संस्कृति को दर्शाती हैं।

जनवरी 2026 में एसएमएस-3 ने 3,48,197 टन कच्चे इस्पात का रिकॉर्ड उत्पादन किया, जो मई 2025 में स्थापित 3,39,275 टन के पूर्व सर्वश्रेष्ठ आंकड़े से अधिक है। यह उत्पादन डीपीआर क्षमता के 110 प्रतिशत पर दर्ज किया गया, जो सेल के किसी भी स्टील मेल्टिंग शॉप द्वारा अब तक का सर्वाधिक मासिक कच्चा इस्पात उत्पादन है और संगठनात्मक स्तर पर एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में ब्लूम्स उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो परिचालन योजना के लगभग 125 प्रतिशत तक हासिल किया गया। सीओजी लाइन के स्थिरीकरण से लंबे सीक्वेंस कास्टिंग एवं निर्बाध लैडल हीटिंग संभव हुई। वहीं सुचारु लैडल सर्कुलेशन एवं तरल इस्पात की कुशल हैंडलिंग से टर्नअराउंड समय में कमी, तापीय नियंत्रण का अनुकूलन तथा उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे रोलिंग मिलों एवं ग्राहकों की आवश्यकताओं की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जा सकी।

जनवरी माह हीट प्रोसेसिंग में भी नए रिकॉर्ड बने। कन्वर्टरङ्कए में 695 हीट्स बनीं, जो पूर्व के 673 हीट्स के रिकॉर्ड से अधिक है, जबकि कन्वर्टर-बी में 689 हीट्स दर्ज की गईं, जो पूर्व के 669 हीट्स से अधिक है। लैडल फर्नेस-3 में 771 हीट्स बनाई गईं, जो पहले के 751 हीट्स के रिकॉर्ड से बेहतर है।

केन्द्रीय बजट सत्र में शामिल हुआ चैम्बर का प्रतिनिधिमंडल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई का प्रतिनिधिमंडल संसद भवन दिल्ली में आयोजित केंद्रीय बजट सत्र में शामिल हुआ।

अजय भसीन ने इस बजट को व्यापार के लिए प्रगतिशील बजट बताया। प्रतिनिधिमंडल वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से भी मिला तथा चेम्बर की गतिविधियों की जानकारी दी। इस बजट के एक एक विषय को हम व्यापारियों तक पहुंचाएंगे तथा देश के विकास में व्यापारियों की भूमिका को मजबूत करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री माननीय पीयूश गोयल से भी मुलाकात की। श्री गोयल ने बताया कि वे चेम्बर की गतिशीलता से वाकिफहैं और चेम्बर के कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं। सांसद विजय बघेल ने चेम्बर प्रतिनिधिमंडल एवं सीए टीम को संसद भवन भ्रमण करवाया। प्रवास का प्रमुख उद्देश्य बजट सत्र के दौरान व्यापार, उद्योग एवं लघु उद्यमों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना तथा व्यापारियों की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को उठाना था। इस अवसर पर शंकर सचदेव, सुनील मिश्रा, सरमद इमाम, सी.ए. टीम से सी.ए. राजेश बाफना, राहुल बत्रा, प्रदीप पाल, पंकज अग्रवाल व अनेक पदाधिकारी एवं वरिष्ठ व्यापारीगण शामिल हुए।

एमआरडी-एनएसबीवाई क्षेत्र में धूल नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वाटर कैनन की स्थापना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी में कार्यस्थल की पर्यावरणीय स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने तथा धूल नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत एमआरडी-एनएसबीवाई क्षेत्र में दो आधुनिक वाटर कैनन स्थापित किए गए हैं। इनमें से एक वाटर कैनन बीएफडंप क्षेत्र में तथा दूसरा एनएसबीवाई क्षेत्र में स्थापित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि स्लैग हैंडलिंग एक धूल-प्रवण गतिविधि है, जिसके दौरान कर्मचारियों द्वारा पहले से ही डस्ट मास्क सहित अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) का नियमित उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वाटर कैनन की स्थापना एक उन्नत तकनीकी उपाय के रूप में की गई है, जिससे सेपरेटर संचालन, सामग्री प्रबंधन एवं सड़कों पर वाहनों की आवाजाही के दौरान उत्पन्न धूल को और अधिक नियंत्रित किया जा सकेगा।

वाटर कैनन के माध्यम से धूल कणों के दमन से न

केवल वायु गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि दृश्यता बेहतर होने के साथ-साथ कार्यस्थल की समग्र सुरक्षा एवं स्वच्छता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण मानकों के अनुपालन तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक हरिश सचदेव ने कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के साथ-साथ वाटर कैनन जैसे तकनिकी उपाय धूल नियंत्रण को प्रभावी बनाते हैं।

रिसाली में सड़क संधारण का विधायक ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विकास कार्य के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने 2 करोड़ 17 लाख 88 हजार से होने वाली सड़क मरम्मत कार्य के लिए आमजनों को श्रेय देते बधाई दी। वे चार अलग-अलग वार्डो में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम शामिल हुए।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वें हमेशा जनहित के कार्यो को पूर्ण कराने प्राथमिकता देते है। वर्तमान में शहर के खराब सड़कों को सूचीबद्ध कर स्वीकृत कराया है। उन्होंने कहा कि अब इस क्षेत्र के नागरिकों को साफ सुथरी सड़क मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी सनीर साहू, पार्षद सविता ढवस, सुनंदा दिपक पप्पू चंद्राकर, गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा, ईश्वरी साहू, सीमा साहू, धर्मेन्द्र भगत, सरिता देवांगन, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनूपम साहू समेत गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वार्ड 01 तालपुरी ब्लाक ए में लोटस 352 से 363 व 371 से 378 तक 41.12 लाख रूपए से सड़क मरम्मत किया जाएगा। इसी तरह वार्ड 17 में शीतला तालाब से लालता प्रसाद घर व लालता प्रसाद घर से पंप हाऊस तक क्रमश: 45.06 व 42.12 लाख, वार्ड 27 मैत्रीनगर कान्हा जी घर से फैंसी स्टोर से व मैदान से डेंटल क्लीनिक तक 40.95 लाख, वार्ड 31 में हिंद नगर शिवा जी चौक से सुरेन्द्र देवांगन घर तक, नंद किशोर घर लक्ष्मी नगर चौक तक 48.63 लाख से सड़क मरम्मत कार्य किया जाएगा।

सौंपा गैस सिलेण्डर

विधायक ललित चंद्राकर ने उज्वला योजना के तहत गैस वितरण किया। पूनम चतुर्वेदी, संजना चतुर्वेदी, टोमिन देशमुख, विमला कुर्रे, कांती साहू, रानी गायकवाड़, हेमलता, रूखमनी गायकवाड़, सुमन शर्मा, संध्या, मंजू यादव व अंजनी यादव को गैस प्रदाय किया गया।

पीएम आवास से साकार हुआ अपने पक्के घर का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव साबित हो रही है। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 56, आमा पारा, बघेरा निवासी दीक्षा सोनी की जीवन गाथा इस योजना की सफलता की सजीव मिसाल है।

साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार से जुड़ी दीक्षा सोनी का जीवन वर्षों तक संघर्षों से भरा रहा। ज्वेलर्स के कार्य पर निर्भर परिवार की सीमित आय के चलते वे अपने परिवार के साथ किराये के छोटे से मकान में रहने को मजबूर थीं। हर माह किराया चुकाने की चिंता, मकान मालिक की शर्तें और अस्थायी जीवन की मजबूरी ने

उनके मन में हमेशा असुरक्षा की भावना बनाए रखी।

किराये के मकान में रहते हुए बच्चों का भविष्य, परिवार की सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की कल्पना करना भी कठिन लगता था। कई बार हालात इतने मुश्किल हो जाते थे कि अपने घर का सपना अधूरा ही प्रतीत होता था, लेकिन दीक्षा सोनी ने कभी हार नहीं मानी।इसी संघर्षपूर्ण समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) उनके लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आई। योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पूरे विश्वास के साथ आवेदन किया। शासन और नगर पालिक निगम के सहयोग से उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

वर्ष 2025-26 में जब उनके स्वयं के पक्के घर का निर्माण पूर्ण हुआ, तो वह क्षण उनके जीवन का सबसे भावुक और अविस्मरणीय पल बन गया। अपने घर की दहलीज पर पहला कदम रखते ही वर्षों की पीड़ा, संघर्ष और असुरक्षा आँसुओं में बदल गई। वह घर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक है।

आज दीक्षा सोनी अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित, स्वच्छ और स्थायी आवास में खुशहाल जीवन जी रही हैं। अब न किराये की चिंता है और न भविष्य को लेकर भय। उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और जीवन में नई स्थिरता आई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) ने दीक्षा सोनी को केवल एक घर नहीं दिया, बल्कि आत्मसम्मान, नई पहचान और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी है। यह योजना वास्तव में उन लाखों परिवारों के सपनों को साकार कर रही है, जो वर्षों से अपने घर की प्रतीक्षा कर रहे थे।

रायपुर नाका हाउसिंग बोर्ड इलाके को मिली गंदे पानी से मुक्ति, संधारण पूर्ण

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश और जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन के मार्गदर्शन में जल कार्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारियो ने शिकायत प्राप्त होते ही क्षेत्र का निरीक्षण कर हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय के समीप स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित सम्पवेल की विधिवत सफाई कराई गई तथा शिकायत प्राप्त घरों के पानी के सैम्पल परीक्षण हेतु लिए गए, जिसकी रिपोर्ट पूर्णत: सही एवं मानक अनुरूप पाई गई।

इसके पश्चात दिनांक 03. फरवरी 2026 को सम्पवेल के समीप पाइपलाइन लीकेज की शिकायत प्राप्त होने पर जलगृह विभाग के कर्मचारियों द्वारा तत्काल कॉलोनीवासियों से संपर्क कर लीकेज की मरम्मत कार्य पूर्ण कराया गया। वर्तमान में कॉलोनीवासियों द्वारा गंदे पानी अथवा पानी में कीड़े पाए जाने संबंधी कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

लोमश ऋषि आश्रम में श्रीराम मानस यज्ञ में उमड़ रहे श्रद्धालु

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के दौरान जहां एक ओर विभिन्न स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम है, वहीं दूसरी ओर यज्ञ, प्रवचन और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला भी श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी है। लोमश ऋषि आश्रम में श्रीराम मानस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। श्रीराम मानस यज्ञ की शुरुआत 1 फरवरी से हुई है, जो 15 फरवरी महाशिवरात्रि तक निरंतर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का संचालन पन्नालाल वशिष्ठ के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यज्ञ संपन्न कराने में श्याम साहू, हृदय राम साहू, लालाराम साहू, जीवन यादव, भुवनेश्वर साहू, नरेंद्र साहू, खेमू साहू, अवध केवरा बाई, देवचरण साहू सहित अन्य श्रद्धालुगण सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि श्रीराम मानस यज्ञ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे आयोजन को लेकर जनसहभागिता और आस्था स्पष्ट रूप से झलक रही है। यज्ञ स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु रामचरितमानस पाठ एवं हवन के माध्यम से पुण्य लाभ ले रहे हैं।

850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन के अयोध्या रवाना

रायपुर। भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या धाम की यात्रा को सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से 850 भक्तों से भरी स्पेशल ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का विशेष लाभ भी प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार की इस जनकल्याणकारी पहल ने छत्तीसगढ़ वासियों की धार्मिक आस्थाओं को नई ऊंचाई प्रदान की है। श्रद्धालुओं को प्रेषित संदेश में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और आईआरसीटीसी के सहयोग से हम यात्रियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यह हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच का प्रतीक है। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण छाया रहा। 'जय श्री राम' के उद्घोषों से स्टेशन गूंज रहा था। श्रद्धालुओं भजन-कीर्तन गा रहे थे। स्टेशन परिसर को फूलों, रंगोली और भगवा ध्वजों से सजाया गया था। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और आईआरसीटीसी के कर्मचारियों ने यात्रियों का स्वागत चाय, नाश्ता और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, मुंगेली जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, सभापति अंबालिका साहू सहित जिला प्रशासन के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। ट्रेन में सवार श्रद्धालुओं ने बताया कि वे बेहद अच्छा अनुभव कर रहे हैं। मुंगेली की रहने वाली सुनीता बाई ने कहा कि पहली बार अयोध्या जाने का सौभाग्य मिला। राज्य सरकार की इस योजना ने सब कुछ आसान कर दिया।

सिर पर 1100 रुद्राक्ष धारण कर तपस्या में लीन महंत नीलगिरी महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 में साधु-संतों की साधना, वेशभूषा और तपस्या श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और जिज्ञासा का केंद्र बनी हुई है। कुंभ मेला परिसर में कई ऐसे दृश्य देखने को मिल रहे हैं, जो श्रद्धालुओं को यह सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि साधना का मार्ग कितना कठिन और अनुशासित होता है।

कुंभ मेले में विभिन्न अखाड़ों के साधु-संतों का आगमन लगातार जारी है। अब तक 40 से अधिक संत-महात्मा राजिम पहुंच चुके हैं, जिनमें दशनाम जूना अखाड़ा और आवाहन अखाड़ा प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसी क्रम में जूना अखाड़ा से पहुंचे महंत नीलगिरी महाराज श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

महंत नीलगिरी महाराज 1100 रुद्राक्ष को दिनभर अपने सिर पर धारण करते हैं और केवल रात्रि विश्राम के समय ही उन्हें उतारते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि रुद्राक्ष धारण करना उनकी भक्ति और साधना का अभिन्न हिस्सा है। भजन और साधना के दौरान वे निरंतर रुद्राक्ष धारण किए रहते हैं तथा रात्रि में विश्राम के समय ही उन्हें हटाते हैं। महंत नीलगिरी महाराज ने बताया कि विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और कठिन साधना के समय रुद्राक्षों की संख्या बढ़ाई जाती है। उन्होंने इसे 12 वर्षों की तपस्या का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि वे राजिम कुंभ मेला में पहली बार आए हैं और मेला समापन तक यहीं प्रवास करेंगे।

कुंभ की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए महंत नीलगिरी महाराज ने बताया कि देश में चार प्रमुख कुंभ नासिक, उज्जैन, प्रयाग और हरिद्वार में आयोजित होते हैं, जबकि राजिम को पांचवां कुंभ माना जाता है, जहां सनातन धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन संपन्न होते हैं।

जब उनसे रुद्राक्षों के भार को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें किसी प्रकार का भार महसूस नहीं होता, यह उनके गुरु की कृपा है। उन्होंने नागा साधुओं की दीक्षा परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि 16 पिंडदान के पश्चात 17वां पिंडदान स्वयं का होता है, जिसके बाद साधक नागा साधु बनता है।

राजिम कुंभ कल्प 2026

मंत्री राजेश अग्रवाल ने त्रिवेणी संगम पर संतों से की भेंट, बिहान दीदियों द्वारा बनाए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का चखा स्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने राजिम कुंभ कल्प 2026 के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम के तट पर पहुंचकर विभिन्न अखाड़ों, पीठों से पधारे पूज्य धर्माचार्यों, संतों एवं लाखों श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की। उन्होंने कुंभ की सभी व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंत्री अग्रवाल ने कुंभ स्थल पर विभिन्न अखाड़ों के पूज्य संतों से भेंट कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। संतों ने कुंभ की भव्यता की सराहना करते हुए राज्य सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं तथा तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के स्टॉल पर पहुंचे मंत्री अग्रवाल ने स्वयं समूह की दीदियों से बातचीत की। उन्होंने दीदियों द्वारा तैयार छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा और ठेठरी का स्वाद लिया तथा उनकी कुशलता की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। श्री अग्रवाल ने कहा कि बिहान दीदियों की मेहनत से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि राजिम कुंभ जैसे वैश्विक आयोजन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर भी विश्व पटल पर चमक रही है। मंत्री ने बांस और लकड़ी से बनी आदिवासी कलाकृतियों के स्टॉल पर जाकर स्थानीय कारीगरों से मुलाकात की। उन्होंने मूर्तियों, शोपीस और उपयोगी वस्तुओं की बारीकी से सराहना की तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए खरीदारी भी की। श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार राजिम कुंभ के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करेगी।

मंत्री श्री अग्रवाल ने राजिम कुंभ स्थल पर बनाई गई रामवनगमन पथ की जीवंत प्रतिकृति का भी निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ के पौराणिक राम वनगमन मार्ग को चित्रों और मूर्तियों के माध्यम से दर्शाती यह प्रतिकृति श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्री अग्रवाल ने प्रतिकृति की बारीकी और कलात्मकता की प्रशंसा की। राजिम कुंभ कल्प 2026 की अन्य व्यवस्थाओं जैसे पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, यातायात और सुरक्षा का जायजा लेते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सुनिश्चित किया कि लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू, गरियाबंद कलेक्टर बी एस उइके, एसडीएम विशाल महाराणा, गरियाबंद जिला प्रशासन व पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। राजिम कुंभ कल्प 2026 छत्तीसगढ़ की सनातन परंपराओं का जीवंत प्रतीक बन चुका है, जहां लाखों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम पर स्नान कर रहे हैं। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में यह आयोजन न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक-आर्थिक उत्सव के रूप में चमक रहा है।

राजिम कुंभ कल्प के स्थानीय मंच में लोक कला और लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के स्थानीय मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भरपूर आनंदित किया। विभिन्न लोक कला और लोक संस्कृति से सजे इन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। भजन, फाग, पंडवानी, जगराता और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों से मंच दिनभर गुलजार रहा।

राजिम के तुलाराम साहू ने भजन संध्या के अंतर्गत हनुमान जी के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति भाव में डूबो दिया। उन्होंने सिंदूर चढ़ाने से हर काम होता है... भजन जैसे ही प्रस्तुत किया, मंच के सामने मौजूद श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। उनके साथ समूह की गायिका लालिमा पटेल ने आरूग हे कलसा दाई... और भारत का बच्चा-बच्चा... जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को और भक्तिमय बना दिया।

इसी क्रम में जगन्नाथ पटेल ने फाग गीतों की श्रृंखला प्रस्तुत की। वहीं रूपदास मानिकपुरी ने पंडवानी की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। मुक्षय साहू ने जगराता, हीराबाई चक्रधारी ने सुवा नृत्य तथा लीना ने लोकनृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। ओमप्रकाश मानिकपुरी ने जगराता भजनों पर तान छेड़कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके अलावा महेश पटेल ने फागगीत, संतोष सिन्हा और रुक्मिणी दीवान ने जसगीत की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों का प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसी तरह पूर्व महोत्सव नदी मंच पर भी धार्मिक वातावरण बना रहा, जहां नवाडीह के ईश्वर साहू ने मानस गान प्रस्तुत किया। तरीघाट की पानबाई यादव ने रामधुनी, श्यामनगर की अन्नपूर्णा साहू ने रामायण, कपालफोड़ी के फणेंद्र कुमार एवं भजन मंडली नवापारा की कल्याणी कंसारी ने भजन गायन से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कलाकारों का सम्मान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्मृति चिन्ह भेंटकर कर किया।

हिम्मत सिन्हा के कलाकारों ने बांधा समां, लोक सरगम की पुरवईया, छैला बाबू आही... पर झूमे दर्शक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के तीसरे दिन मुख्य मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका गंगा बाई मानिकपुरी की कपालिका शैली में पंडवानी गायन से हुई। कथा को और रोचक बनाने के लिए उन्होंने बीच-बीच में छत्तीसगढ़ी धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

इसके पश्चात मात्र 10 वर्ष की बालिका आरोही तिवारी ने रिकॉर्डेड कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। उसके पैरों की थाप और हाथों की सजीव मुद्राओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं 13 वर्षीय नित्या शुक्ला ने भी अत्यंत कुशलता के साथ कथक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोककला मंच हिम्मत सिन्हा की धमाकेदार प्रस्तुति ने समां बांध दिया। वक्रतुण्ड महाकाय..., ओम भुर्भुवः स्वः...., जय हो जगदम्बा जगतारिणी.... जैसे गीतों के माध्यम से ईष्ट देवों का स्मरण करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। पावन माटी के रीत हे, महान मेला मड़ई के आगे त्यौहार.... गीत के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विविध पर्वों को मंच पर जीवंत किया गया। गीत सुनकर दर्शक भी त्यौहारों के रंग में रंग गए। लोकसरगम के पुरवईया... गीत ने खूब तालियां बटोरी, जबकि वंदे मातरम की प्रस्तुति ने पूरे पंडाल को देशभक्ति के भाव से भर दिया। इसके बाद सुवा नृत्य, गौरी-गौरा और पंथी नृत्य की प्रस्तुतियों ने एक बार फिर दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं से रूबरू कराया।

कलाकारों ने छैला बाबू आहीं... परदेशी बाबू आही... की प्रस्तुति देकर दर्शक झूमने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों का सम्मान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने स्मृति चिन्ह और गुलदस्ता भेंट कर किया।

राजिम विधायक रोहित साहू हुए महानदी की महाआरती में शामिल

कुंभ कल्प मेला में प्रतिदिन हो रही महानदी की महाआरती, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में जबलपुर से पधारी साध्वी प्रज्ञा भारती के सानिध्य में प्रतिदिन महानदी की भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इस महाआरती में बड़ी संख्या में साधु-संतों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल होकर आध्यात्मिक वातावरण के साक्षी बन रहे हैं। मंगलवार को आयोजित महाआरती में राजिम विधायक रोहित साहू विशेष रूप से शामिल हुए और महानदी की आरती उतारी।

मेले में प्रतिदिन शाम 7 बजे महानदी घाट पर 11 विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ महाआरती की शुरुआत होती है। आरती के दौरान घाट का दृश्य अत्यंत मनोहारी और भावविभोर कर देने वाला होता है। जबलपुर से पधारे विद्वान पंडितों द्वारा संपन्न कराई जा रही आरती की विधि अपने आप में विलक्षण है। शंखनाद, कपूर, दीप, चवर एवं मंत्रोच्चार के साथ एक साथ प्रज्वलित होती महाआरती से पूरा मेला परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है।

वैसे तो राजिम कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की यह विशेष अभिलाषा रहती है कि वे किसी न किसी दिन महानदी की महाआरती के साक्षी अवश्य बनें। इसी कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आरती घाट पर पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि आरती से मन को शांति, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, नकारात्मकता दूर होती है तथा आध्यात्मिक उन्नति होती है।

महाआरती के पश्चात विधायक रोहित साहू ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान है। महानदी की महाआरती से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि राजिम कुंभ में काशी और प्रयागराज जैसी दिव्यता का अनुभव हो रहा है। मैं सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करता हूं कि वे इस पावन आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

इस अवसर पर नगर पालिका राजिम अध्यक्ष महेश यादव, नवापारा पालिका अध्यक्ष श्रीमती ओमकुमारी साहू, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू की धर्मपत्नी कांतिदेवी साहू, नगर पालिका सभापति आकाश सिंह राजपूत, भरत यादव, पार्षद सुरेश पटेल, बलराम यादव, अजय पटेल, पार्षद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल, भाजपा नेत्री खुशी साहू, देवकी साहू, श्री राजीव लोचन महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष छाया राही, मधु नत्थानी, रीतु वर्मा, कुसुम सोनी, अभनपुर पार्षद चंपा लेदेकर एवं मीना साहू, राजिम एसडीएम विशाल महाराणा, तहसीलदार मयंक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आरती घाट के पीछे ऊंचाई पर समुद्र मंथन का भव्य झांकी बनाया गया है, जिसमें एक ओर देवता तो दूसरी ओर दानव वासुकी नाग को पकड़े हुए मंदराचल पर्वत को मथनी बनाकर खींचते हुए दिखाई देते हैं।

आदिवासी संस्कृति का महाकुंभ बस्तर पण्डुम 2026: बस्तर की माटी की खुशबू और समृद्ध जनजातीय संस्कृति विश्व पटल पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

इस वर्ष 54 हजार से अधिक प्रतिभागियों के पंजीयन ने रचा नया इतिहास

रायपुर। बस्तर पण्डुम छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र का एक प्रमुख सांस्कृतिक, सामुदायिक और प्राकृतिक उत्सव है, जो जनजातीय परंपराओं, लोक कलाओं और जीवन शैली को संरक्षित व प्रदर्शित करता है। जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत (मांदर-बांसुरी), वेशभूषा, लोक शिल्प (काष्ठ/बांस/धातु) और पारंपरिक खान-पान का प्रदर्शन किया जाएगा।

यह उत्सव बस्तर की आत्म-अस्मिता का प्रतीक है, जो स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ-साथ युवाओं को उनकी जड़ों से जोड़ता है। विभिन्न अंचलों से आए प्रतिभागियों ने बस्तर की 12 पारंपरिक सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन करेंगें। इस वर्ष के आयोजन ने लोकप्रियता के पुराने सभी पैमाने ध्वस्त कर दिए हैं और यह केवल एक प्रतियोगिता न रहकर अब लोक संस्कृति के एक विशाल उत्सव का रूप ले चुका है। आँकड़ों पर नजर डालें तो यह आयोजन इस बार एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्ष 2025 में जहाँ विकासखंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में 15,596 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी, वहीं इस वर्ष यह आँकड़ा तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 54,745 तक पहुँच गया है। बस्तर के लोग अपनी जड़ों, परंपराओं और लोक कलाओं को सहेजने के लिए कितने जागरूक और उत्साहित हैं। विशेष रूप से दन्तेवाड़ा जिले ने 24,267 पंजीयन के साथ पूरे संभाग में सर्वाधिक भागीदारी का रिकॉर्ड बनाया है, जिसके बाद कांकेर, बीजापुर और सुकमा जैसे जिलों ने भी हजारों की संख्या में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है।

बस्तर की माटी की खुशबू और यहाँ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति एक बार फिर विश्व पटल पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 07 से 09 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाली है, जिसके लिए अंचल के निवासियों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। इस भारी उत्साह के बीच, अब सभी की निगाहें 07 से 09 फरवरी के बीच होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं पर टिकी हैं। जिला स्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा से जीत कर आए 84 दल और उनके 705 चयनित कलाकार इस दौरान अपनी कला की जादू बिखरेंगे। इन तीन दिनों में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा जनजातीय नृत्य की थाप, पारंपरिक गीतों की गूंज और नाटकों का मंचन ।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

छोटी सी टू-पीस ड्रेस में अवनीत कौर का कातिलाना अंदाज, कर्वी फिगर पर अटकी फैंस की निगाह

टीवी और बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी स्टाइलिश तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस का ग्लैमरस अंदाज देखने के लिए फैंस हर बार एक्साइटेड रहते हैं और इस बार भी अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान और बढ़ा दिया है।

अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ दिलकश तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस ब्राउन कलर की छोटी टू-पीस ड्रेस में नजर आ रही हैं। आउटफिट में अवनीत ने बेबाकी से अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है, जिसे देखकर फैंस का ध्यान उन पर से हट ही नहीं रहा है।

उनकी कॉन्फिडेंस, पोज और फील ने तस्वीरों को और भी शानदार बना दिया है। अवनीत की ये तस्वीरें कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बरसात शुरू हो गई।

अवनीत ने अपने ग्लैमरस लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए ग्लोसी मेकअप, खुले सिल्की बाल और गले में पर्ल नेकलेस पहना है। उनका ये सॉफ्ट और एलिगेंट स्टाइल उनके बोल्ड आउटफिट के साथ एक परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बना रहा है।

अवनीत का तस्वीरों में दिया हर एंगल में पोज फैंस को अट्रैक्ट कर रहा है और फैंस उनकी अदाओं पर जैसे फिदा हो गए हो, वो एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए कमेंट सेक्शन में खूब प्यार लुटा रहे हैं, हार्ट से लेकर फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं,

इन तस्वीरो को शेयर करते हुए अवनीत कौर ने कैप्शन में लिखा, ब्राउन टोन... और इसके साथ एक ब्राउन हार्ट इमोजी भी बनाई। उनके इस सिंपल कैप्शन ने भी फैंस का ध्यान खींच लिया, जिसे यूजर खूब पसंद कर रहे हैं।

अवनीत कौर की इन फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। पोस्ट पर दो लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स में लोग उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उन्हें, गॉर्जियस , स्टनिंग , फायर जैसे कमेंट्स की लाइन लग गई है। काम की बात करें तो अवनीत कौर को हाल ही में बॉलीवुड फिल्म लव इन वियतनाम में एक्टर शांतनु माहेश्वरी के साथ देखा गया था। इसके अलावा वह कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ी हुई हैं और जल्द ही नए अवतार में दर्शकों को एंटरटेन करती नजर आएंगी।

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरज़ादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का ज़ोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा ज़ाहिर किया है। एक साफ़ बयान में, मेहरीन ने मीडिया से ज़िम्मेदारी से काम करने की अपील की और ज़ोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी।

लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बार-बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ़ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा।

मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी ज़िंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी। उन्होंने कहा, जब मैं शादी करने का फैसला करूंगी, तो मैं खुद दुनिया को बताऊंगी। कृपया मुझ पर भरोसा करें और बिना किसी आधार के अफवाहें फैलाना बंद करें।

तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई स्टार मेहरीन ने 2016 में नानी के साथ कृष्णा गाडी वीरा प्रेमा गाधा से डेब्यू किया और तुरंत पहचान बनाई। वह एफ2: फन एंड फ्रस्ट्रेशन, एफ3, पंथम और एंथा मंचिवादावुरा जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। मेहरीन ने 2023 की वेब सीरीज़ सुल्तान ऑफ़ दिल्ली के साथ डिजिटल स्पेस में भी कदम रखा। अपने बयान से, मेहरीन को उम्मीद है कि गलत जानकारी फैलने से रुकेगी और उनकी प्राइवेसी बनी रहेगी।

मार्शल आर्ट से लेकर दौड़ने की ट्रेनिंग तक 'वाराणसी' में भगवान राम के किरदार के लिए महेश बाबू ने की कड़ी मेहनत

एसएस राजामौली की 'वाराणसी' अभी से ही चर्चाओं में बनी हुई है। अब फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले महेश बाबू ने अपनी तैयारियों को लेकर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ बताया और कैसे की किरदार के लिए तैयारी...

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चाओं में हैं। काफी बड़े स्तर पर बनने वाली इस फिल्म में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में महेश बाबू भगवान राम की भूमिका निभाएंगे। अब महेश बाबू ने फिल्म के लिए अपनी तैयारी के बारे में बताया है।

भगवान राम के किरदार के लिए की कड़ी मेहनत

महेश बाबू 'वाराणसी' में रुद्र नाम का किरदार निभा रहे हैं। हालांकि, उनकी भूमिका भगवान राम की है। स्क्रीन रेंट प्लस के साथ बातचीत में महेश बाबू ने अपने किरदार की तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि एसएस राजामौली के निर्देशन में उन्होंने अपनी मुद्रा से लेकर दौड़ने की तकनीक तक, हर चीज को पर्दे पर सही से उतारने के लिए कड़ी मेहनत की। अभिनेता ने कहा कि एसएस राजामौली का अपना एक तरीका है। इसमें एक तय प्रक्रिया है। इसलिए जब मैं इस फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहा हूं, तो यह बहुत जरूरी है कि मेरा हावभाव, मेरे किरदार के चलने और खड़े होने का तरीका, बिल्कुल सही हो। अपने हावभाव को सही करने के लिए उन्होंने केरल की पारंपरिक मार्शल आर्ट कलारी में दो से तीन महीने की ट्रेनिंग ली।

दो सीन के लिए भी ली पूरी ट्रेनिंग

अभिनेता ने अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए राजामौली के बारे में आगे बताया कि फिर वो मेरी दौड़ने की तकनीक बदलना चाहते थे। इसलिए मैंने 6 महीने तक एक ट्रैक एंड फील्ड टीम के साथ ट्रेनिंग ली और वैसे फिल्म में सिर्फ दो ही सीन थे। इस फिल्म के लिए मैं इस तरह की प्रतिबद्धता दिखाने को तैयार था। लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि ये मजेदार है और जब आप उस मानसिकता में होते हैं, तो ये मजेदार होता है। आप इसे मेहनत नहीं समझते।

2027 में रिलीज होगी 'वाराणसी'

पिछले साल 'वाराणसी' के टाइटल की घोषणा के लिए मेकर्स ने एक बड़ा इवेंट किया था। इसमें ही महेश बाबू का लुक भी रिवील किया गया था। इस एक झलक के सामने आने के बाद से ही फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 'वाराणसी' 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, हर बार की तरह अभी से ही राजामौली की इस फिल्म को लेकर भी बज बन चुका है। फिल्म में महेश बाबू के अलावा प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी के किरदार में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभा के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने तैयार किया है।

'धनुष मेरे लिए भाई की तरह..', शादी की खबरों के बीच मृणाल का बड़ा बयान; जानें क्या है सच्चाई?

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

धनुष मेरे लिए भाई समान

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फआपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।'

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

हरा चना होता है पोषण का भंडार, इससे बनाए जा सकते हैं ये लजीज पकवान

हरा चना एक पौष्टिक सब्जी है, जो विटामिन और खनिजों से भरपूर होती है। आमतौर पर लोग इसे सलाद या सूप के रूप में खाते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इससे कई अनोखे व्यंजन भी तैयार किए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको हरे चने से बनने वाले 5 भारतीय व्यंजनों की रेसिपी बताने वाले हैं। इन्हें खान-पान में शामिल करके आपको स्वाद के साथ-साथ पोषण भी मिलेगा।

हरे चने की चटनी

हरे चना की चटनी एक बेहतरीन साइड डिश हो सकती है, जो किसी भी व्यंजन का स्वाद बढ़ा सकती है। इसे तैयार करने के लिए हरे चनों को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद उसमें हरी मिर्च, धनिया, अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक और नींबू का रस मिलाकर पीस लें। आप इसकी स्थिरता पतली करने के लिए इसमें पानी भी मिला सकते हैं। यह चटनी पराठों, डोसे या इडली के साथ खाने में बहुत स्वादिष्ट लगती है।

सलाद में मिलाएं

सलाद में हरा चना मिलाने से उसका पोषण स्तर बढ़ जाता है। आप कच्चे हरे चनों में टमाटर, खीरा, प्याज और नींबू का रस डालकर खा सकते हैं। यह सलाद न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें मौजूद फाइबर पाचन को भी स्वस्थ रखता है। इसके अलावा इसमें उच्च मात्रा में विटामिन और जरूरी खनिज होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाते हैं।

हरे चने की टिक्की

हरे चने की टिक्की चाय के साथ खाने के लिए बेहतरीन स्नैक हो सकता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए उबले हुए हरे चनों को मैश करके उसमें आलू, बेसन, नमक, मिर्च, मसाले और धनिया पत्ती मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बनाकर तवे पर सेंक लें। टिक्की को दोनों तरह से भूरा और कुरकुरा होने तक सेकें। आप इसे अपनी पसंद की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

हरे चने का सूप

सूप में हरा चना डालने से उसका पोषण स्तर बढ़ जाता है और वह अधिक स्वादिष्ट बनता है। आप टमाटर या सब्जियों का सूप बनाते समय उसमें उबले हुए हरे चने मिला सकते हैं। इससे सूप में नया स्वाद आएगा, जो आपके मन को जरूर भाएगा। इसमें मौजूद विटामिन और जरूरी तत्व आपके शरीर को ऊर्जा देंगे और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाएंगे। आप चाहें तो केवल हरे चने का भी सूप बना सकते हैं।

हरे चने का पुलाव

अगर आप पुलाव बना रहे हैं तो उसमें भी हरा चना मिला सकते हैं। हरे चने का पुलाव बनाने के लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसके बाद कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता, प्याज, टमाटर और मसाले डालकर अच्छी तरह भून लें। अंत में इसमें भिगोए हुए चावल और उबले हुए हरे चने डालें, फिर ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर पकने दें। इस तरह आप अपने पुलाव को पौष्टिक बना सकते हैं।

खास खबर

परीक्षा 2026 के सफल संचालन हेतु मास्टर ट्रेनर्स का एकदिवसीय प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2026 का सुचारू, निष्पक्ष एवं सफल संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य के 33 जिलों के समन्वय केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों, नवीन निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों तथा मूल्यांकन केन्द्राधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करने हेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन मण्डल के सभा कक्ष, रायपुर में किया गया। प्रशिक्षण सह-कार्यशाला को दो चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में राज्य के समस्त समन्वय केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं नवीन निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय चरण में समस्त मूल्यांकन केन्द्रों के नियुक्त केन्द्राध्यक्षों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जिससे परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान मण्डल की अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले ने दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए भूतल पर बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा नियमानुसार लेखक सुविधा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि परीक्षा दिवस में आयोजित विषय से संबंधित शिक्षकों की सेवाएं पर्यवेक्षक के रूप में नहीं ली जाएं तथा परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर ताला न लगाया जाए।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनी झलमला की जानकी धुर्वे

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। इस योजना से जुड़कर महिलाएं अपने हुनर और मेहनत से आजीविका के नए रास्ते बना रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है कबीरधाम जिले के ग्राम झलमला की जानकी धुर्वे की, जिन्होंने स्वयं सहायता समूह और बिहान योजना के सहयोग से सब्जी उत्पादन को अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी कायम की है। जानकी धुर्वे वर्ष 2013 से बिहान योजना से जुड़ी हैं और माँ शीतला स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने बचत करना सीखा और जरूरत के समय ऋण भी मिला। रोजगार शुरू करने के लिए उन्होंने समूह से 1 लाख रुपये का ऋण लिया। इस राशि से जानकी धुर्वे ने सब्जी की खेती शुरू की। उन्होंने बैंगन, पत्ता गोभी और आलू की खेती की। मेहनत और सही देखभाल से फसल अच्छी हुई। वे अपनी सब्जियां आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूलों के मध्यान्ह भोजन, स्थानीय बाजार और मंडी में बेचती हैं। बाजार आसानी से मिलने के कारण उन्हें अच्छा दाम मिलता है। आज जानकी धुर्वे हर साल लगभग 1.5 से 2 लाख रुपये की कमाई कर रही हैं।

परसदा में जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

बिलासपुर। जिले में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के अंतर्गत बिल्हा विकासखंड के ग्राम परसदा में भू-संरक्षण एवं जल संरक्षण पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। जल संरक्षण के लिए देश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवी नीरज वानखेड़े ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व और भू जल को सहेजने के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल और बिल्हा के जनपद पंचायत अध्यक्ष राम कुमार कौशिक सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल जीवन के लिए अनमोल है लेकिन हमारे लगातार दोहन से भू जल स्तर में गिरावट आई है जिससे भावी पीढ़ी को जल संकट का सामना करना पड़ेगा, हमारी ये जिम्मेदारी है कि हम वर्षा जल का संरक्षण कर पानी को सहेजें और इस विकट समस्या से अपने गांव को बचाएं। उन्होंने वैकल्पिक खेती पर जोर देते हुए फसल विविधिकरण का संदेश दिया जिससे पानी की बचत हो।

छत्तीसगढ़ में होगी एफटीओ स्थापना, युवाओं को मिलेगा पायलट प्रशिक्षण

कैबिनेट बैठक में निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न एयरपोर्ट एवं हवाई पट्टियों में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा के लिए राज्य में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी।

विमानन क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान उपयोगी होगा। इससे एयरक्राफ्ट रिसाइकिलिंग, हेलीकॉप्टर बंकिंग तथा एयरो स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं विकसित होगी। फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन की स्थापना निजी सहभागिता से किया जाएगा।

एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के लिए 100 पदों की स्वीकृति

मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के गठन हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित 100 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर, राजनांदगांव एवं कोरबा जिला शामिल हैं।

मंत्री परिषद् के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 का अनुमोदन किया गया। इस नीति से स्टार्टअप ईको सिस्टम के साथ-साथ इन्क्यूबेटर्स एवं अन्य हितधारकों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ को देश में एक प्रमुख नवाचार केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होने से राज्य में निवेश का आकर्षण बढ़ेगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई और पूरी हो चुकी 35 आवासीय कॉलोनियों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपने का निर्णय लिया गया है। इन कॉलोनियों में खुले भू-खंड, उद्यान और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होंगी। हालांकि, आवासीय, व्यावसायिक और अर्द्धसार्वजनिक बिक्री योग्य संपत्तियां इसमें शामिल नहीं होंगी। अभी इन कॉलोनियों का हस्तांतरण नहीं होने के कारण वहां रहने वाले लोगों को कई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। कॉलोनियों के रखरखाव के लिए निवासियों को दोहरा खर्च उठाना पड़ रहा है। एक ओर वे नगर निगम को संपत्ति कर दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गृह निर्माण मंडल को भी रखरखाव शुल्क देना पड़ता है। इन कॉलोनियों के हस्तांतरण से नगरीय निकायों द्वारा यहां पानी, बिजली, सड़क, सफाई जैसी सुविधाएं दी जा सकेंगी और कॉलोनीवासियों को अतिरिक्त रखरखाव शुल्क से राहत मिलेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में शासकीय विभागों तथा निगम मंडल के कार्यालयों के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा एक वृहद बहुमंजिला भवन बनाने का निर्णय लिया गया है और यहां विभागों को स्पेस आबंटित किया जाएगा, ताकि भूमि का पूर्ण उपयोग किया जा सके।

मंत्रिपरिषद द्वारा सिरपुर एवं अरपा क्षेत्र में सुनियोजित विकास और विकास कार्यों को गति देने के लिए संबंधित क्षेत्र में शासकीय भूमि के आबंटन का अधिकार संबंधित जिले के कलेक्टर को प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं अरपा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण का उद्देश्य संबंधित नदी तटीय क्षेत्रों का योजनाबद्ध और समग्र विकास करना है।

इसके लिए मास्टर प्लान के क्रियान्वयन, भूमि नियोजन एवं नगर विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना आवश्यक है। विकास कार्यों को गति देने के लिए शासकीय भूमि का आबंटन जरूरी था। वर्तमान में दोनों प्राधिकरणों की वित्तीय स्थिति को देखते हुए शासकीय भूमि का आबंटन रु. 1/- प्रीमियम एवं भू-भाटक पर किए जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, भूमि आबंटन के अधिकार संबंधित जिला कलेक्टरों को दिया गया है।

मंत्रिपरिषद ने ''छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति'' को प्रदेश में लागू किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ शासन के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति के अनुसार राज्य शासन के सभी विभाग, उपक्रम एवं स्वायत्त संस्थाएं केवल भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं या भारत में स्थित सुरक्षित डेटा सेंटर एवं डिजास्टर रिकवरी सेंटर से ही क्लाउड सेवाएं लेंगी। किसी विशेष या असाधारण आवश्यकता के लिए राज्य क्लाउड परिषद से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। नीति के तहत कम प्राथमिकता वाले एप्लिकेशन एवं आर्काइव डेटा का क्लाउड माइग्रेशन वर्ष 2027-28 तक तथा उच्च प्राथमिकता सेवाओं का माइग्रेशन 2029-30 तक किया जाएगा। सभी नए एप्लिकेशन क्लाउड-नेटिव तकनीक पर विकसित किए जाएंगे।

कैबिनेट ने इस नीति में भविष्य में आवश्यक संशोधन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को अधिकृत किया है। इस नीति से आईटी ढांचे में लागत में कमी, संचालन में दक्षता, बेहतर साइबर सुरक्षा, आपदा के समय सेवाओं की निरंतरता तथा नागरिक सेवाओं की 24म7 उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

एसओजी गठन के लिए 44 पदों की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में पुलिस मुख्यालय के विशेष शाखा अंतर्गत एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के गठन के लिए प्रावधानित 44 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। एसओजी का काम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात को संभालना और आतंकी हमला या गंभीर खतरे को जल्दी खत्म करना होता है। एसओजी एक खास तरह की प्रशिक्षित टीम होती है, जिसे ऐसे खतरनाक कामों के लिए तैयार किया जाता है।

राजनीति मतभेद का विषय, मनभेद का नहीं

द्वेषपूर्ण मामलों की समीक्षा कर, विधि सम्मत प्रक्रिया से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा आवश्यक - उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज मंत्रालय मे पूर्व शासनकाल के दौरान राजनीतिक संगठन, गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठनों के आंदोलनों से जुड़े दुर्भावनापूर्ण मानसिकता से दर्ज प्रकरणों की वापसी के संबंध में गठित मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित सदस्य अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगवा, विधि सचिव सुषमा सावंत, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी ध्रुव गुप्ता तथा अतिरिक्त निदेशक अभियोजन के. एस. गावस्कर उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान राजनीतिक आंदोलनों सहित गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठनों के आंदोलनों के समय दर्ज राजज्ञा उल्लंघन, लोक सेवक के कार्य में बाधा एवं अन्य गंभीर धाराओं से संबंधित प्रकरणों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपसमिति द्वारा विभिन्न मामलों को मंत्रिपरिषद के विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु अनुशंसित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही मंत्रिमंडल उपसमिति ने पूर्व में प्रकरण वापसी के लिए अनुशंसित मामलों की सतत निगरानी एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगवा को दिए।

बैठक के पश्चात उपसमिति के अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध का सदैव सम्मान होना चाहिए। राजनीति मतभेद का विषय है, मनभेद का नहीं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राजनीतिक दुर्भावना के चलते अनेक मामलों में राजनीतिक कार्यकर्ताओं, गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठन पर प्रकरण दर्ज किए गए थे। राजनीतिक कार्यकर्ताओ के साथ गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठन द्वारा आयोजित आंदोलनों को भी इस प्रक्रिया के शामिल किया जा रहा है, जिनमें आंदोलनरत लोगों के विरुद्ध द्वेषपूर्ण रूप से मुकदमे भी दर्ज हुए थे, उन सभी को वापस लिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने ऐसे द्वेषपूर्ण मामलों की गंभीरता से समीक्षा कर, विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत यथासंभव निर्णय लेने का संकल्प लिया है, ताकि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हो सके और अनावश्यक मुकदमों से जनता को राहत मिल सके।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ मनोज साहू का घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं सतत ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। योजना के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफटॉप प्रणाली आम नागरिकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ बन गई है।

इसी क्रम में राजनांदगांव जिला के ग्राम खैरा निवासी मनोज साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनका घर अब प्राकृतिक ऊर्जा से प्रकाशित हो रहा है और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हुई है।

मनोज साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे प्रतिमाह आर्थिक बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि आम परिवारों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रही है।

श्री साहू ने कहा कि भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी योजना है। यह योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले में अधिक से अधिक नागरिक सोलर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा मे आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास हेतु कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा के सभागार में आत्मसमर्पित नक्सलियों के आजीविका विकास हेतु संचालित पुनर्वास केंद्र के अंतर्गत माओवाद से प्रभावित हितग्राही कृषकों के लिए जिला सुकमा के कलेक्टर अमित कुमार के दिशा निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन मे कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 04 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 के बीच कुल 12 कार्य दिवस मे कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के सयुंक्त तत्वाधान मे कृषि विज्ञान केंद्र मे आयोजित किया जाएगा, जिसमें थ्योरी ज्ञान के साथ साथ मक्का, मूंग, सब्जियाँ की बुबाई कार्य के साथ साथ कृषि यन्त्रों का समुचित उपयोग, कीड़े बीमारी का उचित नियंत्रण, प्राकृतिक खेती, मशरुम उत्पादन एवं मछलीपालन पर विस्तार से प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिए जायेंगे साथ ही जिले के प्रगतिशील किसानों के खेतों मे भ्रमण कराया जायेगा, इसी तारतम्य में आज कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रतिभागियों से औपचारिक परिचय उपरांतकृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियों, कार्यप्रणाली एवं भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई साथ कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश कुमार बेक द्वारा विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गईं।

इस अवसर पर कृषकों को कृषि आधारित आजीविका के विभिन्न अवसरों, आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों, स्वरोजगार तथा आत्मनिर्भरता से जुड़ी सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर स्थायी आजीविका उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कृषि विज्ञान केंद्र से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एच. एस. तोमर, कृषि वैज्ञानिक राजेंद्र प्रसाद कश्यप, डॉ. योगेश कुमार सिदार और डॉ. संजय सिंह राठौर उपस्थित थे।

40 विभागों द्वारा iGOT आधारित विभागीय क्षमता निर्माण योजना तैयार

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक क्षमता निर्माण एवं ई-गवर्नेंस को मिल रही नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रशासनिक दक्षता एवं डिजिटल गवर्नेंस को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सतत एवं दूरदर्शी पहल की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव विकास शील के मार्गदर्शन तथा सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत की पहल पर आज मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर स्थित सभागार में iGOT (Integrated Government Online Training) प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभागीय क्षमता निर्माण योजना (Departmental Capacity Building Plan – CBP) तैयार करने हेतु वर्चुअल हैंड होल्डिंग कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी अदा की। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित क्षमता निर्माण आयोग के विशेषज्ञों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को विभागीय क्षमता निर्माण योजना तैयार करने की व्यवस्थित प्रक्रिया, प्रशिक्षण आवश्यकताओं के वैज्ञानिक मूल्यांकन तथा कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए संरचित एवं परिणामोन्मुखी प्रशिक्षण रूपरेखा तैयार करने संबंधी विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मुख्य सचिव विकास शील के मार्गदर्शन में प्रदेश में प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को आधुनिक, दक्ष एवं परिणामोन्मुखी बनाने हेतु द्वत्रह्ज्ञ प्लेटफॉर्म को शासन की प्राथमिक पहलों में शामिल किया गया है। मिशन कर्मयोगी के माध्यम से ज्ञान आधारित, कुशल एवं उत्तरदायी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कौशल उन्नयन, प्रशासनिक दक्षता तथा जनसेवा की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचा होगा विकसित: सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत के नेतृत्व में विभागीय क्षमता निर्माण योजना को प्रत्येक विभाग की कार्यप्रणाली, दायित्वों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिक व्यवहारिक, लक्ष्य आधारित एवं जनउपयोगी बन सके। इस प्रक्रिया में विभागों के ऑर्गेनोग्राम, कार्य आवंटन विवरण, वार्षिक प्रतिवेदन तथा संबंधित नियमों एवं अधिनियमों के आधार पर सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में लगभग 1200 अधिकारियों को दस बैचों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें अधिकारियों को प्लेटफॉर्म पर पंजीयन, प्रशिक्षण मॉड्यूल पूर्ण करने, प्रमाण पत्र प्राप्त करने तथा उपलब्धियों के डिजिटल अभिलेखीकरण की संपूर्ण प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशासनिक क्षमता संवर्धन में होगा सहायक

उल्लेखनीय है कि राज्य के 40 विभागों के iGOT नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों की विभागीय क्षमता निर्माण योजना तैयार की गई है। इन योजनाओं के आधार पर संबंधित विभागों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भूमिका आधारित iGOT प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को उसके कार्य दायित्वों के अनुरूप उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। छत्तीसगढ़ में iGOT प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशासनिक क्षमता संवर्धन को व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

लेनदेन के विवाद में दो युवकों पर चाकू से हमला

बिलासपुर। बिलासपुर व्यापार विहार स्थित बजाज इलेक्ट्रिक ऑटो एजेंसी में रुपए के लेनदेन को लेकर हुआ विवाद चाकूबाजी में बदल गया। तालापारा निवासी एक युवक ने अचानक चाकू निकालकर दो लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। ऑटो एजेंसी के कर्मचारी आशीष कुर्रे और सुभाष रात्रे एक ऑटो को सीज कर यार्ड ले जा रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी आरोपी रेहान की स्कूटी से टकरा गई। सड़क पर दोनों पक्षों के बीच बहस हुई, लेकिन उस समय मामला शांत होता नजर आया। कुछ देर बाद रेहान अपने साथियों के साथ पूरी तैयारी के साथ ऑटो एजेंसी पहुंचा। भीतर घुसते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और धारदार हथियार निकाल लिए। हमले में आशीष और सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश कर रही है।

गांजा बेचने वाले आरोपी पर कोर्ट ने 10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया

दुर्ग। दुर्ग गांजा बेचने वाले आरोपी को कोर्ट ने सजा दी है। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट पीएस मरकाम की कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि तक के लिए सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न दे पाने पर तीन माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सूरज शर्मा ने पैरवी की थी। कुम्हारी थाना पुलिस को 6 नवंबर 2025 की शाम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति खदान पारा गुप्ता कबाड़ी के सामने कुम्हारी मैदान में खड़ा हुआ है। उसने अपने पास प्लास्टिक की थैली में गांजा रखा हुआ है और उसे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी डॉन देवार पिता खिलावन देवार (50 वर्ष) निवासी रामनगर वार्ड नंबर 7 कुम्हारी को पकड़ा। उसके पास से एक प्लास्टिक की थैली में रखा गांजा जब्त किया गया और गिरफ्तार किया गया।

दिनदहाड़े बाइक चोरी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

पेंड्रा-गौरेला। पेंड्रा-गौरेला मुख्य मार्ग पर स्थित अंबे टाइल्स के सामने दिनदहाड़े बाइक चोरी की घटना सामने आई है। एक युवक अपनी बाइक सड़क किनारे दुकान के सामने खड़ी कर सामान खरीदने दुकान के अंदर गया था। कुछ देर बाद जब वह बाहर निकला तो उसकी बाइक वहां से गायब मिली। बाइक न मिलने पर पीड़ित युवक और दुकानदार ने दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक अज्ञात व्यक्ति कार के पीछे खड़े होकर बाइक को स्टार्ट करता है और मौके से चोरी कर फरार हो जाता है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

किराए के मकान में पति-पत्नी चला रहे थे सेक्स रैकेट

मोबाइल स्टेटस पर रेट लिखकर तलाशते थे कस्टमर, पुलिस-रेड में मिली 2 लड़कियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के शिवा नगर में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। यह सेक्स रैकेट पति-पत्नी किराए के मकान में चला रहे थे। पुलिस ने व्यक्ति को कस्टमर बनाकर पति-पत्नी के पास भेजा। तभी पता चला कि पति-पत्नी बाहर से लड़कियों को बुलाकर उनसे देह व्यापार करा रहे थे। इस दौरान यह भी पता चला कि आरोपी कस्टमर की तलाश में अपने मोबाइल पर स्टेटस लगाता था। स्टेटस में रेट लिखे होते थे। इसे देखकर कस्टमर उससे संपर्क करते थे।

पुलिस की रेड में मकान के अलग-अलग कमरे से दो लड़कियां मिली। पकड़ी गई लड़कियां रायगढ़ की हैं। पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। यह मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। बताया गया कि एसबीआई मेन ब्रांच के सामने रोड किनारे अनिल कुमार नंदे के किराए के मकान में 26 वर्षीय राहुल यादव अपनी पत्नी के साथ देह व्यापार चला रहा है।

इसकी जानकारी एसएसपी शशि मोहन सिंह को दी गई। उनके निर्देश पर साइबर और कोतवाली पुलिस की टीम बनाई गई। सीएसपी ने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर मकान में भेजा। जैसे ही उस व्यक्ति से संकेत मिला, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मकान में छापा मारा।

मौके पर आपत्तिजनक सामग्री मिले

मौके पर राहुल यादव, उसकी पत्नी और बाहर से बुलाई गई दो लड़कियां मिलीं। इसके बाद पुलिस ने मकान की तलाशी ली। पूछताछ करने पर आरोपी ने बाहर से लड़कियों को बुलाकर देह व्यापार चलाने की बात स्वीकार की।

उसने बताया कि वह मूल रूप से 299/3-ए, नई बैरहना, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। वह पिछले करीब तीन महीने से यहां किराए के मकान में रह रहा था।

पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री, दो मोबाइल फोन और दो हजार रुपए नकद जब्त किए हैं। पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मोबाइल में स्टेटस लगाता था आरोपी

बताया जा रहा है कि आरोपी राहुल यादव कस्टमर की तलाश में अपने मोबाइल पर स्टेटस लगाता था। स्टेटस में 800 से 2500 रुपए तक के रेट लिखे होते थे। इसे देखकर कस्टमर उससे संपर्क करते थे। मकान में मिली लड़कियां रायगढ़ की स्थानीय रहने वाली बताई जा रही हैं। पुलिस ने पीटा एक्ट के तहत दो दिनों में दो बड़ी कार्रवाई की है।

पहली कार्रवाई रविवार रात केलो विहार कॉलोनी में हुई थी। वहां किराए के मकान में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी और एक ग्राहक को गिरफ्तार किया। इसके बाद मंगलवार रात को दूसरी कार्रवाई शिवा नगर क्षेत्र में की गई।

मुंगेली जिले में बहन से बातचीत के शक पर युवक की हत्या, 2 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जरहागांव। मुंगेली जिले के जरहागांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम फरहदा में हुई हत्या के मामले को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। बहन से बातचीत करने के शक में उपजे विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया, जिसमें एक युवक की जान चली गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अर्जुन साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी जयपाल उर्फ कल्लू साहू को शक था कि मृतक कोमल साहू उसकी बहन से बातचीत करता है। इसी बात को लेकर करीब

दो महीने पहले भी उनके बीच विवाद हुआ था। 2 फरवरी की रात करीब 10:30 बजे, जब अर्जुन और कोमल खरवोरवा तालाब के पास थे, तब आरोपी जयपाल और उसके साथी हितेश उर्फ हरिओम कश्यप ने उन्हें रोक लिया। पहले हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई, फिर हितेश ने जान से मारने की नियत से चाकू निकाल लिया।

आरोपियों ने ताबड़तोड़ वार करते हुए अर्जुन के पेट और हाथ पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। वहीं, 19 वर्षीय कोमल साहू के पेट में चाकू लगने से वह घायल हो गया। जिला अस्पताल मुंगेली ले जाते समय रास्ते में ही कोमल ने दम तोड़ दिया। जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई। फॉरेंसिक टीम ने मौके का बारीकी से निरीक्षण किया।

आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बटनदार चाकू और मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी हितेश उर्फ हरिओम (18 वर्ष) और जयपाल उर्फ कल्लू (20 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। थाना जरहागांव में आरोपियों के विरुद्ध धारा 103 (1), 109, 3(5) बीएनएस व 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। बुधवार को उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

तेज रफ्तार बाइक हाइवे पर पत्थर से टकराई युवक की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर तीज नहावन से काम कर लौट रहे सेलून संचालक की बाइक हाईवे में पत्थर से टकरा गई। हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोट आई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर हादसे की जांच कर रही है। हिर्री के ग्राम कोपरा निवासी धर्मेंद्र श्रीवास (27) सेलून चलाता था। बुधवार को वह तीज नहावन में बाल बनाने सैदा की तरफ गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। सैदा के पास अचानक संतुलन बिगड़ा और बाइक सीधे हाइवे किनारे लगे पत्थर से टकरा गई। हादसे में धर्मेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन जब तक मदद पहुंचती, उसकी मौत हो चुकी थी।

शादी का झांसा देकर किया युवती से दुष्कर्म

रायगढ़ में अश्लील वीडियो बनाकर करता रहा ब्लैकमेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और बाद में आपत्तिजनक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली 24 वर्षीय युवती की पहचान करीब तीन साल पहले कॉलेज में पढ़ाई के दौरान कोतरा रोड बैकुण्ठपुर मिर्चा गली निवासी बादल राजपूत से हुई थी। दोस्ती के बाद आरोपी ने युवती को शादी का भरोसा दिलाया।

आरोप है कि 3 अक्टूबर 2022 को आरोपी युवती को अपने दोस्त

के घर ले गया, जहां उसने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह लगातार शादी का आश्वासन देता रहा और संबंध बनाता रहा।

गुप्त रूप से वीडियो बनाया फिर शुरू हुआ ब्लैकमेल

पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने धोखे से उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। बाद में उसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जब भी युवती शादी की बात करती, आरोपी टालमटोल करता और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट करता था। 12 जनवरी को आरोपी युवती को फिर कोतरा रोड विकास नगर इलाके में ले गया और संबंध बनाने के बाद शादी से साफ इनकार कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पेशाब के लिए रुके व्यक्ति की बाइक चोरी : चाकू और 14 चाबियां जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बांकीमोंगरा क्षेत्र में पेशाब के लिए रुके एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। ग्रामीणों और पीड़ित के चाचा की मदद से चोर को पीछा कर पकड़ा गया। आरोपी के पास से चोरी की बाइक, धारदार चाकू और अलग-अलग वाहनों की 14 चाबियां जब्त की गई हैं।

यह घटना पश्चिम बांकीमोंगरा क्षेत्र के शुक्लाखार में हुई। पीड़ित गेवरा खदान से काम कर दोपहर करीब 3:30 बजे अपने दोपहिया वाहन से घर लौट रहा था। तेंदुकोना मोहल्ला पुल के पास देवरी रोड पर वह पेशाब के लिए रुका। उसने अपनी बाइक खड़ी की और चाबी निकालना भूल गया।

इसी दौरान एक बाइक पर

सवार तीन लोग उसके पास आए और बांकीमोंगरा का रास्ता पूछने लगे। पीड़ित जब पेसाब के लिए थोड़ा आगे बढ़ा, तो उनमें से एक व्यक्ति ने उसकी बाइक चालू की और लेकर भाग गया।

पीड़ित ने तुरंत अपने चांदनी चौक में रहने वाले चाचा को फोन कर घटना की जानकारी दी और चोर को रोकने के लिए कहा। चोर जब चांदनी चौक पहुंचा, तो पीड़ित के चाचा ने उसे रोकने का प्रयास किया। इस दौरान चोर ने एक युवती को टक्कर मार दी और भागने की कोशिश की। इसके बाद ग्रामीणों और पीड़ित के चाचा ने उसका पीछा किया और शुक्लाखार के पास उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की बाइक, धारदार चाकू और 14 अलग-अलग गाड़ियों की चाबियां बरामद की हैं।

सस्ते में कैमरा बेचने का झांसा देकर युवती से ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ओएलएक्स पर सस्ते में कैमरा बेचने का लालच देकर एक युवती से 2 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को कैमरा विक्रेता बताकर ओएलएक्स पर विज्ञापन डाला था।

विज्ञापन देखकर संपर्क करने पर आरोपी ने भरोसे में लेकर युवती से PI के जरिए अपने बताए गए बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करवा लिए और इसके बाद मोबाइल फोन बंद कर लिया। पीड़िता का नाम पुलिस द्वारा भव्या देवांगन बताया जा रहा है।

युवती ने दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। आरोपी ने खुद को सदर बताते हुए कैमरे की अच्छी कंडीशन और कम कीमत का झांसा दिया। बातचीत के दौरान उसने कहा कि डिमांड ज्यादा है, इसलिए पहले पेमेंट करने पर ही कैमरा भेजा जाएगा।

आरोपी की बातों में आकर युवती ने PI के माध्यम से उसके बताए खाते में कुल 2 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। पैसे मिलते ही आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद युवती को ठगी का एहसास हुआ और उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। बैंक खाते, मोबाइल नंबर और UPI ट्रांजेक्शन के आधार पर तकनीकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर खरीदारी करते समय सावधानी बरतें, बिना वस्तु देखे या पुख्ता जानकारी के एडवांस पेमेंट न करें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

पढ़े साइबर ठगी के 10 पैटर्न

भारत में साल 2023 में 9.2 लाख से अधिक साइबर अपराध संबंधी शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 6,000 करोड़ की आर्थिक हानि हुई।

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले छह वर्षों में साइबर ठगी की घटनाएं 42 गुना बढ़ गई हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गई, बल्कि आर्थिक और कानूनी चुनौती भी बन गई है।

ठगी से प्राप्त धन को धोखाधड़ी और अन्य अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल करने के लिए मनी म्यूल, क्रिप्टोकरेंसी और हवाला नेटवर्क का सहारा लिया जा रहा है। इसके मुकाबले सरकारें साइबर सुरक्षा पर अरबों रुपए खर्च कर रही हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ICCC) ने 2025 के लिए अनुमान लगाया है कि भारतीयों को साइबर ठगी के माध्यम से 1.2 लाख करोड़ से अधिक का नुकसान होने की आशंका है। यह राशि बिहार राज्य के वार्षिक बजट के लगभग आधे के बराबर है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आम जनता को डिजिटल लेनदेन करते समय ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। केवल भरोसेमंद और लाइसेंस प्राप्त प्लेटफॉर्म पर ही ऑनलाइन पेमेंट और बैंकिंग करना सुरक्षित है।

विधानसभा के पिछले सत्र में यह आंकड़े पेश किए गए थे। छत्तीसगढ़ में पिछले तीन सालों में 791 करोड़ की साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने विधायकों के सवालों पर विधानसभा में बताया था, कि राज्य के 67,389 लोगों ने 2023 से जून 2025 तक राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 791 करोड़ रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज कराई हैं।

आपके क्षेत्र में कोई नशा बेच रहा है तो 1933 पर सूचना दें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यदि आपके घर, मोहल्ले या क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार चल रहा है तो अब आप बिना थाना, चौकी जाए पुलिस से शिकायत कर सकते हैं। जिले में मादक पदार्थ और नशे के अवैध कारोबार की जानकारी साझा करने पुलिस विभाग ने टोल फ्री नंबर 1933 जारी किया है।

इस पर आम नागरिक नशे के शिकार व्यक्ति की सूचना, ड्रग्स बेचने या इस अवैध कारोबार से जुड़ी किसी भी प्रकार जानकारी दे सकता है।

जन-जागरुकता के लिए टोल फ्री नंबर को दुर्ग-भिलाई के 500 ऑटो व ई-रिक्शा चस्पा किया

गया है, जिन्हें डीआईजी विजय अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान डीआईजी अग्रवाल ने कहा कि ऑटो चालक आम जनता के सीधे संपर्क में रहते हैं, इसलिए वे अभियान का अहम हिस्सा बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 1933 एक महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर है, जिससे कोई भी व्यक्ति ड्रग्स से संबंधित जानकारी साझा कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति नशे का शिकार है, ड्रग्स, गांजा, अवैध शराब बेच रहा है या इन कारोबारों से जुड़ी कोई भी सूचना है तो तुरंत इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

प्लांट से 210 किलो कॉपर केबल चोरी का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई बीएसपी के प्रतिबंधित क्षेत्र से 210 किग्रा स्क्रैप कॉपर केबल चोरी का प्रयास करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस ने बताया सीआईएसएफ के एएसआई डोमाजी सातपुते की मंगलवार को पहले शिफ्ट में जोरातराई गेट पर ड्यूटी लगी थी।

सुबह करीब 6.20 बजे ओआरटी कर्मियों को हुंडई सेंट्रो कार जल भवन के पीछे प्रोपेन प्लांट के सुनसान क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी। पूछताछ के लिए पहुंचने पर चालक कार लेकर भाग निकला। पीछा करने के दौरान ओएचपी ए लोकेशन, एसई रेलवे गेट के पास दो व्यक्ति कार छोड़कर भागने लगे।

ओआरटी कर्मियों ने दौड़ाकर एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा भागने कामयाब हो गया। पूछताछ में स्टेशन मरोदा, उत्कल नगर निवासी आरोपी संतोष निषाद (35 वर्ष) ने बताया कि उसका साथी चॉकलेटी यादव कार की चाबी लेकर भाग गया। उसके पास एनएसपीसीएल कर्मचारी के गेट पास का रेप्लिका था। वाहन की तलाशी लेने पर कार से 210 किग्रा कॉपर केबल मिली, जिसकी बाजार में कीमत 1. 36 लाख रुपए से ज्यादा है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद और धमतरी जिलों में स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की है। कोर क्षेत्र में अवैध शिकार में संलिप्त तीन शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कोर क्षेत्र में अवैध शिकार में संलिप्त तीन शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई अखिल भारतीय बाघ गणना 2026 को ध्यान में रखते हुए बढ़ाई गई निगरानी और गश्त के दौरान की गई।

सरकारी संपत्ति को पहुंचाई क्षति, कबाड़ चोरों से वसूलेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर में नहर पर बने लोहे के पुल को काटकर चोरी के मामले में कबाड़ चोरों के खिलाफ सरकारी संपत्ति नुकसान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। मामले में आगे जितने की क्षति पहुंची है, उसकी वसूली उनकी संपत्ति बेचकरकरेंगे।

सीएसईबी चौकी अंतर्गत रशियन हॉस्टल के पास नहर पर बने लोहे के पुल को पिछले माह कबाड़ चोर गिरोह ने निशाना बनाया था। रात के अंधेरे में गैस कटर से काटकर लोहे के एंगल की चोरी कर ली थी। लोगों ने जब मौके से लोहे के पुल को लापता देखा, तब कबाड़ चोरों की करतूत का पता चला।

पुलिस ने अब तक असलम समेत 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य मुख्य आरोपी कबाड़ कारोबारी मुकेश साहू फरार है, उसपर पुलिस ने 5 हजार का इनाम घोषित कर रखा है। दूसरी ओर मामले में सरकारी विभाग के लोहे के पुल की चोरी की पुष्टि होने पर पुलिस ने पूर्व की धारा के अलावा सरकारी संपत्ति नुकसान अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

इसके तहत अब मामले के आरोपियों से सरकारी विभाग को हुए नुकसान के बराबर की वसूली (रिकवरी) उनकी चल-अचल संपत्ति की नीलामी करवाकर की जाएगी। पुलिस व प्रशासन की टीम मुख्य आरोपी मुकेश, असलम समेत अन्य आरोपियों की संपत्ति की जानकारी जुटा रही है।

महिला को बाइक ने मारी टक्कर, हुई मौत

राजनांदगांव। राजनांदगांव के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में पैदल चल रही महिला को बाइक ने टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद फरार आरोपी को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार कर लिया।

राजनांदगांव में नवगठित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के धोधा चौक, कालेगोंदी रोड के पास पैदल चल रही ललिता साहू को 16 जनवरी को एक अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी थी। टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया था।

हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण ललिता साहू की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रमुख खबरें

धमतरी में आरबीएसके अंतर्गत विशेष हृदय जांच शिविर

धमतरी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके के अंतर्गत जिले में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में जन्मजात हृदय दोषों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने जिला अस्पताल में एक दिवसीय विशेष हृदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। एमएमआई रायपुर की वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. किंजल बक्शी का विशेष सहयोग रहा। कुल 53 बच्चों की विस्तृत जांच की गई, जिनमें से 49 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि हुई। इनमें 26 बच्चों को तत्काल सर्जरी की आवश्यकता पाई गई, जबकि 23 बच्चों को नियमित फॉलो-अप एवं आगे के उपचार हेतु चिन्हित किया गया। वहीं 04 बच्चे ईको जांच में पूर्णत: सामान्य पाए गए।

विषय विशेषज्ञ शिक्षक के लिए वॉक इंन इंटरव्यू 18 को

बीजापुर। जिले में संचालित छू लो आसमान कोचिंग सेंटर बीजापुर के लिए जेईई एवं अन्य प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी हेतु गणित विषय के विषय विशेषज्ञ शिक्षक हेतु साक्षात्कार 18 फरवरी 2026 को प्रात: 11:00 बजे कार्यालय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बीजापुर में आयोजित किया गया है। इच्छूक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथी को समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर वॉक इंन इंटरव्यू में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिले के वेबसाईट का अवलोकन कर सकते हैं।

आपदा पीड़ित के वारिसों को 20 लाख की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 5 प्रकरणों में वारिसों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी। ग्राम पलना निवासी मोहित की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए, ग्राम भानपुरी निवासी रोयदासिन कोर्राम की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए, ग्राम कोनगुड़ निवासी सोमनाथ की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर मेहतरी को 4 लाख रूपए तथा ग्राम ध्रवापारा आदनबेड़ा निवासी अंशुराम शोरी की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी रमशीला को 4 लाख रूपए दिए गए।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया 'वूमेन फॉर वेटलैण्ड्स' अभियान के पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में 'वुमेन फॉर वेटलैण्ड्स' अभियान के पोस्टर का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आर्द्रभूमि एवं प्राकृतिक जल-स्रोतों के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल ही जीवन है और आर्द्रभूमियां मानव सभ्यता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति को इस पवित्र अभियान से जोड़ना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायी कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि नदियां, तालाब, कुएं, पोखर और आर्द्रभूमियां केवल जल-स्रोत नहीं, बल्कि जीवनदायिनी प्रकृति की पहचान हैं। इन्हें बचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

'वूमेन फॉर वैटलैंड्स ' अभियान की संस्थापक एवं महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी द्वारा प्रदेशभर में आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के अंतर्गत तालाब, नहर,

कुएं, नदियों एवं प्राकृतिक जल-स्रोतों के संरक्षण के लिए महिलाओं को संगठित किया जा रहा है। प्रज्ञा निर्वाणी ने मुख्यमंत्री को नवागढ़ स्थित गिधवा-परसदा-नगधा पक्षी विहार क्षेत्र को रामसर साइट घोषित करने हेतु ज्ञापन भी सौंपा,

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाएं प्रकृति की प्रथम संरक्षक हैं, यदि मातृशक्ति आगे आएगी तो जल-स्रोतों का संरक्षण जन-आंदोलन बन जाएगा। पोस्टर अनावरण कार्यक्रम के दौरान प्रसन्ना अवस्थी, प्राची शर्मा, प्रणीता शर्मा, आरविका अवस्थी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आर्द्रभूमि है। दिसंबर 2025 में राज्य को अपना पहला रामसर स्थल प्राप्त हुआ। राज्य के प्रमुख आर्द्रभूमि स्थलों में कोपरा जलाशय, गिधवा-परसादा पक्षी अभयारण्य, बालसमुंद जलाशय, जांजगीर-चांपा, धमतरी और दुर्ग जिलों में राज्य का सर्वाधिक आर्द्रभूमि प्रतिशत पाया जाता है। खैरागढ़ जिले का छिंदारी जलाशय भी पक्षी प्रेमियों के बीच 'परिंदे ईको पर्यटक केंद्र' के रूप में लोकप्रिय हो रहा है।

खनन परियोजनाओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 21वीं बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 21वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। प्रदेश में रेयर अर्थ मिनरल्स सहित कई अनेक खनिजों के प्रचुर भंडार उपलब्ध हैं। राज्य में चल रही सभी खनन परियोजनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप क्रियान्वयन किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खनिजों के अवैध परिवहन एवं उत्खनन पर विशेष टॉस्क फोर्स के माध्यम से की जा रही निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए आईटी एवं ड्रोन जैसे आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाये। तकनीक के द्वारा अवैध गतिविधियों पर बेहतर एवं सतत निगरानी की जा

सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पीएमकेकेकेवाई के अंतर्गत खनिज 2.0 पोर्टल के माध्यम से व्यय एवं कार्यो के प्रगति की निगरानी के विषय में जानकारी ली। उन्होंने कार्यो के गुणवत्ता एवं परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के लिए जिला खनिज न्यास अधिनियम के अंतर्गत राज्य स्तरीय केन्द्रीय कार्यक्रम प्रबंधन ईकाई की स्थापना के माध्यम से डीएमएफ कार्यों की बेहतर निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये।

बैठक में परिवहन नेटवर्क (रेलमार्ग) के अंतर्गत चिरमिरी-नागपुर रेल्वे लाईन हेतु कुल 328 करोड़ एवं छत्तीसगढ़ रेल्वे कॉरीडोर निर्माण हेतु, 1-ईस्ट कॉरीडोर एवं 3-ईस्ट वेस्ट कॉरीडोर के लिए राशि रूपये 60.10 करोड़ एवं क्वासी इक्विटी के रूप में 24.10 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया ।

बैठक में खनिज विकास निगम लिमिटेड (सीएमडीसी) को एनएमडीसी-सीएमडीसी कंपनी लिमिटेड (एनसीएल) संयुक्त उपक्रम में सीएमडीसी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के रूप में विभिन्न परियोजनाओं के विकास हेतु 112.70 करोड़ एवं सीएमडीसी को विभागीय कार्य हेतु अतिरिक्त राशि रूपये 10 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया ।

बैठक में संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म के अंतर्गत खनिज ब्लॉकों की नीलामी, खनिज ऑनलाईन 2.0 के भुगतान, भौमिकी के अंतर्गत सर्वेक्षण, पूर्वेक्षण एवं विभिन्न परियोजनाओं के भुगतान एवं बाह्य स्त्रोतों से विभिन्न तकनीकी कार्यों के संपादन, मुख्य एवं गौण खनिजों के अवैध परिवहन निगरानी हेतु आईटी एवं ड्रोन तकनीक से नियंत्रण, जिला खनिज न्यास अधिनियम के अंतर्गत डीएमएफ से संबंधित कार्यों की निगरानी हेतु केन्द्रीय कार्यक्रम प्रबंधन ईकाई (सीपीएमयू) सहित विभागीय कार्य हेतु 138.17 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया ।

बैठक में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 20वीं बैठक में संपन्न कार्यों के क्रियान्वयन के विषय में जानकारी दी गई।

बैठक में वित्त मंत्री ओ पी चौधरी, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव सह सचिव वित्त मुकेश बंसल, मुख्यमंत्री के सचिव सह सचिव खनिज साधन विभाग पी दयानंद, संचालक खनिज रजत बंसल सहित अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रवासी छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव 27 एवं 28 मार्च को, नाचा भी शामिल होगा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के विकास में प्रवासी छत्तीसगढ़ियों की सहभागिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 27 एवं 28 मार्च को राजधानी रायपुर में प्रवासी छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। यह कॉन्क्लेव उत्तर अमेरिका छत्तीसगढ़ प्रवासी संघ (नाचा) तथा छत्तीसगढ़ एनआरआई संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस दो दिवसीय आयोजन में भारत से बाहर विभिन्न देशों में निवासरत छत्तीसगढ़ के रहवासी सहभागिता करेंगे। इस कॉनक्लेव के लिए पंजीयन जल्द शुरू होगा।

कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा ताकि राज्य का चहुंमुखी विकास हो।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं उद्योग विकास स्टार्टअप विकास जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ की पहचान को वैश्विक स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। कॉन्क्लेव में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ, उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़ी प्रदेश की अमूल्य पूंजी हैं। विदेश में रहकर काम कर रहे छत्तीसगढ़ी नागरिक अपने ज्ञान, अनुभव और निवेश के माध्यम से राज्य के विकास को नई गति दे सकते हैं।

मंत्रिपरिषद ने पांच साल के लिए नई स्टार्टअप नीति को दी मंजूरी, सौ करोड़ का स्टार्टअप फंड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य को नवाचार और स्टार्टअप के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज महानदी मंत्रालय भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 को मंजूरी दी गई। इससे राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी और युवाओं को उद्यमिता से जुड़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

सरकार ने कहा कि छत्तीसगढ़ विज़न-2047 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए राज्य में नवाचार आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। अब तक औद्योगिक नीतियों के अंतर्गत स्टार्टअप पैकेज की व्यवस्था थी, लेकिन पृथक

स्टार्टअप नीति नहीं होने से इन्क्यूबेशन, निवेश और नवाचार को अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही थी। इसके साथ ही भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में भी पृथक नीति का अभाव राज्य के लिए चुनौती बना हुआ था। नई नीति के माध्यम से इस कमी को दूर किया जाएगा।

नई स्टार्टअप नीति के तहत केवल राज्य शासन से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप इकाइयों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन दिए जाएंगे। शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को मजबूत करने के लिए प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट वाले स्टार्टअप्स को मिनिमम वायबल प्रोडक्ट विकसित करने हेतु 10 लाख रुपये तक का सीड फंड दिया जाएगा। इसके अलावा राज्य में निवेश की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से 100 करोड़ रुपये का छत्तीसगढ़ स्टार्टअप (कैपिटल) फंड बनाया जाएगा, जिसके माध्यम से एमएसएमई-पंजीकृत ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स के जरिए स्टार्टअप्स में निवेश किया जाएगा।

स्टार्टअप्स को बैंकिंग सहायता से जोड़ने के लिए 50 करोड़ का क्रेडिट रिस्क फंड भी बनाया जाएगा, जिसके तहत स्टार्टअप इकाइयों को बैंकों से एक करोड़ रुपये तक के संपार्श्विक-मुक्त ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी मिलेगी। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को अधिकतम 50 रुपये लाख तक के सावधि ऋण या कार्यशील पूंजी पर पांच वर्षों तक 75 प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ दिया जाएगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप केंद्रित आयोजनों में भाग लेने पर यात्रा, पंजीकरण और बूथ शुल्क सहित कुल खर्च का 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा।

डोंगरगढ़ में बना पर्यटक सुविधा केन्द्र

- प्रसाद योजना अंतर्गत विकास परियोजना पूर्ण
- 9.5 एकड़ में पर्यटक सुविधा केन्द्र का किया गया निर्माण
- निर्माण को दिया पवित्र श्रीयंत्र का आकार
- केन्द्र ने दी 48.43 करोड़ की दी गई स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/डोंगरगढ़। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की प्रसाद योजना अंतर्गत माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर डोंगरगढ़ का विकास परियोजना के लिए पर्यटन विभाग छत्तीसगढ़ शासन को 48 करोड़ 43 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है।

परियोजना के तहत माँ बम्लेश्वरी पहाड़ी में सीढियों का जीर्णोद्धार, सीढ़ियों में शेड, रेलिंग, पेयजल, शौचालय, प्रकाशीकरण तथा पहाड़ी के नीचे तालाब का सौंदर्यीकरण, शॉप्स, पार्किंग एवं संपूर्ण क्षेत्र में साइनेज का कार्य कराया गया है। प्रज्ञागिरि परिसर में ध्यान केन्द्र, कैफेटेरिया, पार्किंग, सीढ़ियों का जीर्णोद्धार, सोलर प्रकाशीकरण, पेयजल का कार्य कराया गया है।

श्रद्धालुओं के लिए 9.5 एकड़ में एक पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है, जिसका आकार श्रीयंत्र के जैसा है। इसमें ध्यान केन्द्र, विश्राम कक्ष, प्रसाद कक्ष, सांस्कृतिक मंच, क्लॉक रूम, सत्संग कक्ष, पेयजल, शौचालय, लैंडस्केपिंग, सोलर प्रकाशीकरण, पार्किंग एवं प्रवेश द्वारा सहित अन्य निर्माण कार्य किए गए है।

कार्य पूर्ण हो चुका है, केवल फिनिशिंग कार्य किया जाना शेष है। निगरानी समिति एवं दिशा समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा समय-समय पर योजना की समीक्षा की जा रही है। नियमानुसार श्रमिकों को भुगतान

अनछुआ छत्तीसगढ़ (पर्यटन-5)

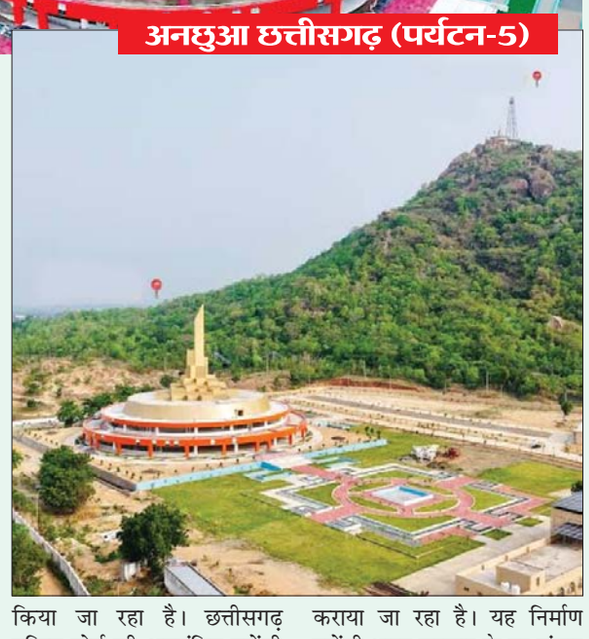

किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की अनुबंधित एजेंसी टीसीआईएल द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। यह निर्माण एजेंसी भारत सरकार के दूर संचार मंत्रालय से संबद्ध है।

सबई घास से रस्सी निर्माण कर आत्मनिर्भरता की राह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्रामीण अंचलों में आजीविका के सीमित साधनों के बीच जब स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ा जाता है, तब सफलता की नई इबारत लिखी जाती है। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है धर्मजयगढ़ वनमंडल अंतर्गत वनधन विकास केंद्र केड़ना की, जहाँ सबई घास की रस्सी ने महिलाओं के जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव लाया है।

वन विभाग की अधिकारियों ने आज यहाँ बताया कि सबई घास रायगढ़ जिले के वन क्षेत्रों केड़ना, सोलमुड़ा, सोरझुड़ा, अन्नोला एवं पेलमाकृमें प्राकृतिक रूप से प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। पारंपरिक रूप से ग्रामीण महिलाएं इससे हाथ से रस्सी बनाकर घरेलू उपयोग या स्थानीय बाजारों में सीमित स्तर पर बिक्री करती थीं। हालांकि, बाजार तक सीधी पहुंच और उचित मूल्य न मिलने के कारण यह कार्य बड़े पैमाने पर आय का साधन नहीं बन पा रहा था।

इसी कड़ी में राज्य सरकार की वनधन योजना के अंतर्गत वनधन विकास केंद्र केड़ना की स्थापना कर महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संगठित किया गया। उन्हें सबई घास से रस्सी निर्माण के लिए हाथों एवं विद्युत चालित मशीनें उपलब्ध कराई गईं। स्तर ही व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। इससे महिलाओं की उत्पादन क्षमता बढ़ी और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

दरअसल सबई घास से निर्मित रस्सी का उपयोग बांस के बंडलों को बांधने में किया जाता है, जिसकी मांग वन विभाग एवं पेपर उद्योग में लगातार बनी रहती है। वन विभाग द्वारा सबई रस्सी को 45 रुपये प्रति किलो की दर से क्रय किया जाता है, जिससे महिलाओं को मजदूरी के रूप में नियमित आय प्राप्त हो रही है। रस्सी को विभिन्न वनमंडलों में 75 रुपये प्रति किलो की दर से विक्रय कर वनधन केंद्र को भी लाभ मिल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्षों में वनधन केंद्र केड़ना से जुड़ी महिलाओं ने 30 से 40 क्विंटल रस्सी का निर्माण कर 1.5 से 2 लाख रुपये तक की आय अर्जित की।

वर्ष 2025-26 में 150 क्विंटल रस्सी निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लगभग 7 से 8 लाख रुपये की आय ग्रामीण महिलाओं को होने की संभावना है। मार्च 2026 तक कुल 11.25 लाख रुपये मूल्य की रस्सी निर्माण कर 7.50 लाख रुपये मजदूरी के रूप में ग्रामीणों को प्राप्त होने का अनुमान है।

यह परियोजना पूरी तरह ईको-फ्रेंडली है। सबई घास का विनाश रहित दोहन किया जाता है, जिससे वन संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बना रहता है।

भविष्य में भू-क्षरण प्रभावित क्षेत्रों में सबई घास रोपण की योजना भी प्रस्तावित है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

यह पहल इस बात का उदाहरण है कि यदि स्थानीय संसाधनों का वैज्ञानिक और संगठित उपयोग किया जाए, तो ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। सबई घास से रस्सी निर्माण ने न केवल रोजगार सृजन किया है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की नई उम्मीद भी जगाई है।

पर्यटकों को लुभाने बस्तर के मेंद्री घूमर जलप्रपात के समीप बन रहा भव्य रिसोर्ट

बस्तर की नैसर्गिक सुंदरता और जलप्रपातों को निहारने आने वाले पर्यटकों के लिए सुखद खबर है। चित्रकोट के सामानांतर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर मेंद्री घूमर जलप्रपात के समीप जल्द ही एक भव्य रिसॉर्ट आकार लेने वाला है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की पहल पर लोहंडीगुड़ा प्रशासन ने इसकी कवायद तेज कर दी है। इस परियोजना के लिए ग्राम मेंद्री में स्थित जेल विभाग की भूमि को अब पर्यटन विभाग के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

तहसीलदार न्यायालय लोहंडीगुड़ा द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूचना के मुताबिक छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने मेंद्री घूमर जलप्रपात के पास पर्यटकों की सुविधा और रिसॉर्ट निर्माण के लिए भूमि आवंटन का आवेदन प्रस्तुत किया था। इस पर संज्ञान लेते हुए वर्तमान में शासकीय भूमि को पर्यटन विभाग को सौंपने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रशासन ने रिसॉर्ट निर्माण के लिए ग्राम मेंद्री में खसरा नंबर 50, 77, 179 और 184 के तहत 20.28 हे. भू-भाग को चिन्हित किया है, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का व्यापक विस्तार संभव हो सकेगा।

भूमि हस्तांतरण की इस प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के लिए प्रशासन ने आम जनता के लिए इश्तहार जारी किया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या विभाग को इस भूमि के पर्यटन विभाग को सौंपे जाने पर कोई आपत्ति या दावा है, तो वे सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर तहसीलदार न्यायालय, लोहंडीगुड़ा में स्वयं या अपने वकील के माध्यम से लिखित आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। सुनवाई के लिए 07 फरवरी 2026 की तारीख मुकर्रर की गई है। प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया है कि नियत समयावधि के बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा और यह मान लिया जाएगा कि उक्त भूमि हस्तांतरण में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, जिसके बाद निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950